संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

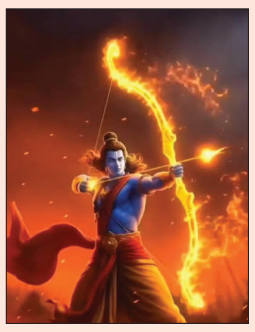
■ वर्ष -17 ■ अंक-143 ■ रायपुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : नवमी
नक्षत्र : श्रावण
प्रथम करण : कौवाला
द्वितीय करण : तैतिल
पक्ष : शुक्ल
वार : मंगलवार
योग : शुला
सूर्योदय :06:28
सूर्यास्त : 17:42
चंद्रमा : मकर राशि में
राहुकाल : 14:54 - 16:18
विक्रमी संवत्: 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:43 - 12:28

अवकाश सूचना



विजयादशमी (दशहरा) के अवसर पर **20 अक्टूबर 2026** को दैनिक दैनंदिनी कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 22 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।
-प्रधान संपादक

सिक्किम के नवनियुक्त राज्यपाल दुष्यंत कुमार गौतम ने ली शपथ

गंगटोक । सिक्किम के नवनियुक्त राज्यपाल दुष्यंत कुमार गौतम ने सोमवार को राज्य के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, कैबिनेट मंत्री, सिक्किम से लोकसभा सांसद इंद्र हंग सुब्बा, दार्जिलिंग से लोकसभा सांसद राजू बिष्ट और सिक्किम के विधायक मौजूद थे। सिक्किम के लोक भवन में सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह रखा गया। यहां सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए. मुहम्मद मुस्ताक ने दुष्यंत कुमार गौतम को राज्य के राज्यपाल के रूप में शपथ दिलाई। दुष्यंत कुमार गौतम रविवार को गंगटोक के बुरतुक हेलीपैड पहुंचे थे। राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, सिक्किम विधानसभा की उपाध्यक्ष राजकुमारी थापा, मंत्रिपरिषद के सदस्यों, विधायकों, गंगटोक नगर निगम के मेयर और पार्षदों, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकारों, अन्य सलाहकारों, अध्यक्षों, विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने उनका किया था। सिक्किम के राज्यपाल नियुक्त किए गए दुष्यंत गौतम, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

विजयादशमी आज



मुख्यमंत्री गरबा महोत्सवों में हुए शामिल, दुर्गा पूजा पंडालों में किए माता के दर्शन

गरबा महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों और दुर्गा पूजा आयोजनों में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मां आदिशक्ति से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि नवरात्रि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना का महापर्व होने के साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का उत्सव भी है। गरबा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजन हमारी आस्था और परंपराओं को जीवंत रखते हुए समाज को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के सूत्र में जोड़ते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने माना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति तथा सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा पूजा समिति द्वारा स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों के कल्याण और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति का आशीर्वाद मांगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय हुकुम ललित महल में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत युवा विंग द्वारा आयोजित 'रास गरबा विथ भजन डांडिया', रामबाग में आयोजित रास गरबा, पचपेड़ी नाका स्थित राम मंगलम लॉन में श्री दशा सोरठिया



वाणिक समाज द्वारा आयोजित 'सोरठी रंग रंगीलो' नवरात्रि उत्सव तथा शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान में नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'संकल्प गरबा' में शामिल हुए। विभिन्न आयोजनों में समाजजनों और श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री साय का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर आज पूरे देश और छत्तीसगढ़ में भक्ति, आस्था और उल्लास का वातावरण है। गरबा मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति को अभिव्यक्त करने का सुंदर माध्यम है। गुजरात की सांस्कृतिक परंपरा से निकला गरबा आज पूरे देश में लोकप्रिय होकर हमारी सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में निहित एकता है। हमारे पर्व और उत्सव अलग-अलग समाजों, समुदायों और पीढ़ियों को एक साथ जोड़ते हैं तथा अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।

नवरात्रि मातृशक्ति के सम्मान और सामर्थ्य का पर्व

मुख्यमंत्री श्री साय ने गरबा आयोजनों में बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं, बहनों और बेटियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव शक्ति का स्वरूप माना गया है। नवरात्रि हमें मातृशक्ति के सम्मान, उनकी गरिमा और समाज निर्माण में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण कराती है।

उन्होंने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, निर्णयों में भागीदारी निभाती हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं, तब परिवार के साथ पूरा समाज सशक्त होता है। इसलिए माताओं-बहनों की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक स्वावलंबन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

महाअष्टमी पर चलगली क्षेत्र को मंत्री रामविचार नेताम ने दी बड़ी सौगात

मोरन नदी पर 5.91 करोड़ की लागत से बनेगा उच्चस्तरीय पुल

रायपुर ■ दैनन्दिनी



जनजातीय कार्य मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज नवरात्रि की महाअष्टमी पर चलगली क्षेत्र को एक बड़ी सौगात दिया है। उन्होंने आज ग्राम कपिलदेवपुर में मोरन नदी पर बनने वाले उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का विधिवत भूमिपूजन किया। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग, अम्बिकापुर यह पुल कपिलदेवपुर-बसेरा मार्ग पर बनाएगा। इसके लिए 591.04 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। पुल बनने से चलगली क्षेत्र के 12 से 15 गांवों के 15 से 20 हजार ग्रामीणों को जिला मुख्यालय बलरामपुर पहुंचने के लिए लगभग 15 किलोमीटर कम दूरी तय करनी होगी। 144 मीटर लंबे और 8.40 मीटर चौड़े इस पुल में 24-24 मीटर के 6 स्पैन होंगे। संरचना को मजबूत बनाने के लिए पाइल फाउंडेशन तकनीक अपनाई जाएगी। पुल के दोनों छोरों पर कुल 271 मीटर पहुंच मार्ग भी बनेगा।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि महाअष्टमी के शुभ अवसर पर क्षेत्रवासियों को यह सौगात मिली है। पुल न होने से ग्रामीणों को लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। व पुल बनने के बाद आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और रोजगार ग्रामीणों की सहज पहुंच में होंगे।

उन्होंने बताया कि चलगली से रामानुजगंज सड़क को स्वीकृति मिल चुकी है और निविदा प्रक्रिया पूरी होते ही इसका निर्माण शुरू होगा। चलगली को बलरामपुर और वाड्रफनगर से बेहतर सड़क मार्ग से जोड़ने की कार्ययोजना पर भी जनप्रतिनिधियों के समन्वय से काम हो रहा है।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके तहत गांवों में सीसी रोड और पंचायतों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। जिन विद्यालयों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय नहीं हैं, वहां प्राथमिकता से इनका निर्माण किया जा रहा है और मुक्तिधाम निर्माण की योजना भी तैयार की गई है। महतारी वंदन योजना के तहत माताओं-बहनों के खातों में हर माह 1,000 रुपये अंतरित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने किसानों से आधुनिक और वैज्ञानिक खेती अपनाने तथा दुग्ध उत्पादन और पशुपालन को व्यावसायिक रूप देकर आय बढ़ाने का आह्वान किया। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, बकरी पालन और 'ड्रोन दीदी' जैसी पहलों से आत्मनिर्भर बन रही महिलाओं की उन्होंने सराहना की। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीणजन, व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर विधायक रायमुनि भगत से अस्पताल में की मुलाकात, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के नारायणा एमएमआई अस्पताल पहुंचकर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।मुख्यमंत्री श्री साय ने चिकित्सकों से श्रीमती भगत के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत 2 दिन और बढ़ी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेता आशुतोष रांका और सौरव दास की न्यायिक हिरासत पांच दिन और बढ़ाने की मांग की थी। इस मामले में सुनवाई के दौरान SEM कोर्ट ने न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। अब अधिकारियों के अनुसार, विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (SEM) ने CJP के दोनों नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की न्यायिक हिरासत और दो दिनों के लिए बढ़ा दी है। बता दें कि सौरव दास और आशुतोष रांका को 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर क्षेत्र में बिना इजाजत दाखिल होने के आरोप में प्रिवेंटिव अरेस्ट किया गया था। दोनों को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। आज उनकी रिहाई के लिए SEM कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने न्यायिक हिरासत और दो दिनों के लिए बढ़ाई है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा था कि 13 अक्टूबर की सुबह सौरव दास, आशुतोष रांका, अजिंक्य शिंदे और कॉजपा के 11 अन्य सदस्य एक निजी परिसर से होते हुए जंतर-मंतर पहुंच गए, जबकि इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा दिया गया है।

नक्सली डंप से टिफिन आईईडी समेत कई विस्फोटक बरामद, सीआरपीएफ ने किया डिफ्यूज



गरियाबंद (एजेंसी). छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान जवानों को बड़ी सफलता मिली है. मैनपुर थाना क्षेत्र में नक्सलियों का छिपाया गया विस्फोटकों का जखीरा हाथ लगा है. नक्सल डंप से टिफिन आईईडी, यूबीजीएल राउंड समेत अन्य सामग्री बरामद किया गया है. जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त घोषित होने के बाद से लगातार जंगलों में माओवादियों डंप की तलाश की जा रही है. इसी कड़ी में मैनपुर थाना क्षेत्र के कुल्हाड़ीघाट, कठवा, गंवरमुड़ के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया. कार्रवाई में सीआरपीएफ की 65वीं बटालियन और जिला पुलिस बल की संक्युत टीमें शामिल रहीं.

अभियान के दौरान के पास गोवरमुंडा में एक पुलिया के नजदीक संदिग्ध सामग्री मिलने पर इलाके की घेराबंदी कर तलाशी ली गई. इस दौरान नक्सल डंप मिला, लेकिन संभावित खतरे को देखते हुए सीआरपीएफ की बम खोज एवं निष्क्रियकरण दस्ते (बीडीएस) को बुलाया गया. बीडीएस ने जांच में जमीन के नीचे कई सामान बरामद किए.

एसआईआर पर कांग्रेस के विरोध के बीच वियतनाम रवाना हुए राहुल गांधी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन के बीच राहुल गांधी रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वियतनाम के हनोई रवाना हो गए। कांग्रेस ने उनके इस दौरे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, जबकि बीजेपी उनके विदेश दौरों को लेकर लगातार सवाल उठा रही है।

सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) को लेकर कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन के बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी वियतनाम के लिए रवाना हो गए हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रविवार दोपहर करीब 1:35 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (IGI) हवाई अड्डे से हनोई के लिए निकले। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सांसद हनोई निजी दौरे पर गए हैं या वहां किसी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि कांग्रेस ने इस पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

राहुल गांधी के विदेश दौरे हमेशा चर्चा का विषय रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने इसे लेकर कांग्रेस नेता पर



निशाना साधा है और आरोप लगाया है कि वे विदेशों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की आलोचना करके भारत की छवि खराब करते हैं। इससे पहले, राहुल गांधी इस साल जनवरी में भी वियतनाम गए थे। इस पर BJP ने मांग की है कि कांग्रेस को यह सार्वजनिक करना चाहिए कि उन्हें विदेशी कार्यक्रमों में कौन आमंत्रित करता है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने उस समय कहा था कि हालांकि उनके ठिकाने का पता तभी चलेगा जब वे कहीं सामने आएंगे, लेकिन भारत के लोग उन्हें निश्चित रूप से भारत-विरोधी लोगों के मेहमान के तौर पर देखेंगे और भारत-विरोधी बयान देते हुए पाएंगे, जैसा कि उन्होंने अपनी पिछली विदेश यात्राओं के दौरान किया था। राहुल की हनोई यात्रा ऐसे समय में हुई है जब कांग्रेस लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को निशाना बना रही है।

राहुल गांधी के एक्सपायरी डेट वाले बयान पर भड़के शिवराज

बोले- 99 बार फेल नेता दे रहा नसीहत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा की एक्सपायरी डेट बताने पर राहुल गांधी पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति खुद को लॉन्च करने के क्वालिटी चेक में 99 बार फेल हो चुका है, वह भाजपा की मियाद तय कर रहा है। चौहान ने कहा कि भाजपा राष्ट्र निर्माण का एक बड़ा आंदोलन है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) के लिए 'एक्सपायरी डेट' बताने को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी



की आलोचना की और उनकी इस टिप्पणी को हास्यास्पद बताया। सोमवार को इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए चौहान ने कहा, "मुझे यह हास्यास्पद लगता है। जो व्यक्ति खुद को लॉन्च करने के 'क्वालिटी चेक' में 99 बार फेल हो चुका है, वह अब BJP के लिए 'एक्सपायरी डेट' बता रहा है।"

राहुल गांधी ने रविवार को दक्षिण गोवा के मडगांव में 'गोय राखोन यात्रा' के दौरान एक जनसभा में यह भविष्यवाणी की कि बीजेपी की "एक्सपायरी डेट" (समाप्ति की तारीख) करीब आ रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी तीखा हमला बोला। चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि बीजेपी सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के पुनर्निर्माण और गरीबों, महिलाओं, युवाओं तथा किसानों के कल्याण के लिए समर्पित एक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल एक राजनीतिक दल नहीं है। यह एक आंदोलन है, राष्ट्र के पुनर्निर्माण का एक बड़ा प्रयास है। बीजेपी गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। यह माताओं, बहनों, युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित एक आंदोलन है। ऐसे विचार रखने वाले कई लोग आए और चले गए।

भारत में आपातकाल (इमरजेंसी) का जिक्र करते हुए, चौहान ने कहा कि जिन्होंने इसे लागू किया था, उन्हें अंततः चुनावों में जनता ने हरा दिया।

दो सड़क हादसे में 2 की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में आज दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। एक ओर जहां हाइवा और ट्रेलर की भिड़ंत हो गई, तो वहीं दूसरी ओर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को कुचल दिया। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरु कर दी है।

पहली घटना दर्री थाना के अंतगर्त दर्री मुख्य मार्ग पर हुई है, जहां हाइवा और ट्रेलर में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक वाहन का चालक कैबिन में ही फंसे रह गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दूसरी घटना बांकी मोंगरा थाना के बलगी शराब दुकान के पास हुई, जहां अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को कुचल दिया। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान शिव प्रसाद पिता रामस्वरूप (28) को रूप में हुई है, जो कि दीपका का रहने वाला था और निजी कंपनी में काम करता था। शिव शादीशुदा था और उसका 6 साल बच्चा भी है। आज बजाज पल्सर CG 07 BQ 2167 से वह कहीं जा रही था। इस बीच बलगी शराब दुकान के पास अज्ञात भारी वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इस घटना में उसकी मौके पर मौत हो गई। वहीं घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

रामायण के नये ट्रेलर के बाद रणबीर कपूर और यश के सोलो पोस्टर रिलीज, राम-रावण के दिखे विराट अवतार

मुंबई (एजेंसी)। नमित मल्होत्रा की रामायण के इंटरनेशनल ट्रेलर के साथ रणबीर कपूर के भगवान राम और रॉकिंग स्टार यश के रावण के भव्य अवतार के दो सोलो पोस्टर्स भी रिलीज कर दिए हैं. इस तरह से सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने इस महाकाव्य को ग्लोबल कैंपेन के तौर पर आगे बढ़ने का काम किया है. इस कदम ने मेकर्स द्वारा दुनिया भर के दर्शकों तक फिल्म को बड़े पैमाने के साथ पहुंचने की कमिटमेंट को पेश किया है.

इंग्लिश, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में भी उपलब्ध फिल्म के इंटरनेशनल ट्रेलर में भगवान राम और रावण की दो अलग दुनिया की झलक देखने मिलती है. नितेश तिवारी के डायरेक्टर में बनी इस फिल्म के ट्रेलर में एक्शन के साथ शानदार सिनेमैटिक यूनिवर्स को भी खूबसूरती से पेश किया गया है.

रावण के रूप में रॉकिंग स्टार यश का सोलो पोस्टर, एक महल को दिखाता है, जहां एक्टर अपने किरदार में मरे हुए योद्धाओं के बीच, भाला पकड़े नजर आ रहे हैं. पोस्टर में साफ तौर से एक भयानक युद्ध के बाद की झलक देखने मिल रही है, जिसमें यश की लंका के राजा के रूप में मौजूदगी माहौल को गंभीर बना रही है. दूसरी तरफ रणबीर कपूर को भगवान राम के रूप में दूसरे सोलो पोस्टर में देखा जा सकता है, जिसमें



उन्होंने अपने तीर धनुष को उठाया है, जबकि उनके बैकग्राउंड में जंगल से चीरती आ रही सूरज की रोशनी नजर आ रही है. पोस्टर में राम द्वारा युद्ध के लिए की गई तैयारी को क्लोज-अप कंपोजिशन से साफ महसूस किया जा सकता है.

फिल्म के मेकर्स ने एक के बाद एक पोस्टर्स को रिलीज करने का सिलसिला जारी रखा है, जिसके जरिए वह दर्शकों को फिल्में मौजूद अहम किरदारों से रूबरू कराने के अलावा फिल्म की दुनिया की झलक भी दे रहे हैं. कल की ही बात है जब नमित मल्होत्रा, यश और नितेश तिवारी ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म के इंटरनेशनल ट्रेलर रिलीज की घोषणा करते हुए फिल्म के कैंपेन को एक अलग लेवल पर ले जाने की जानकारी दी थी.

इस ग्लोबल पुश के पीछे का अहम हिस्सा सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट के साथ हाथ मिलाना है, जो की फिल्म को भारत से बाहर इंटरनेशनल लेवल पर डिस्ट्रिब्यूट करने वाला है. सोनी पिक्चर्स के ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के समर्थन से फिल्म रामायण इंटरनेशनल मार्केट में अपनी छाप छोडने के लिए तैयार है. यह इंटरनेशनल कैंपेन भारत की सबसे जानी मानी महा-गाथाओं में से एक को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है.

बेंगलुरु में इंटरनेशनल ट्रेलर को प्राइम फोकस स्टूडियोज और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा होस्ट एक बड़े इवेंट में लॉन्च किया गया. इस खास इवेंट में फिल्म की पूरी टीम मौजूद थी, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, रॉकिंग स्टार यश, रवि दुबे, म्यूजिक कंपोजर ए.आर. रहमान और डायरेक्टर नितेश तिवारी समेत कई लोग शामिल हुए. यह इवेंट फिल्म के ग्लोबल कैंपेन का एक अहम कदम है. इसके बाद ट्रेलर को दुनिया भर के दर्शकों के लिए छह भाषाओं में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया.

रजनीकांत की जेलर 2 का बॉक्स ऑफिस पर तूफान

मुंबई (एजेंसी)। सिनेमाघरों में इन दिनों कई बड़ी फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। इस प्रतिस्पर्धा के बीच दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2 शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के शुरुआती तीन दिनों में ही फिल्म का दुनिया भर में कुल कारोबार 317 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। वहीं, यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली और राजकुमार राव अभिनीत 'प्रहार : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम भी दर्शकों को आकर्षित करने में जुटी हैं। रजनीकांत की एक्शन प्रधान फिल्म 'जेलर 2 ने भारतीय बॉक्स ऑफिस के साथ विदेशी बाजारों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन भारत में लगभग 47.80 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इसमें तमिल संस्करण की हिस्सेदारी 34.60 करोड़ रुपये, तेलुगु संस्करण की 8.50 करोड़ रुपये और हिंदी संस्करण की 4.25 करोड़ रुपये रही।

इन आंकड़ों के अनुसार, फिल्म का शुरुआती तीन दिनों का कुल भारतीय शुद्ध कारोबार 169.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वहीं, तीसरे दिन विदेशी बाजारों से लगभग 47.50 करोड़ रुपये की कमाई हुई। इसके साथ ही फिल्म का तीन दिनों का दुनिया भर का कुल सकल कारोबार 317.15 करोड़ रुपये बताया गया है। रजनीकांत की लोकप्रियता और फिल्म के एक्शन दृश्यों को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। कई फिल्मों के एक साथ सिनेमाघरों में मौजूद होने के बावजूद 'जेलर 2 की कमाई इसकी मजबूत शुरुआत की ओर इशारा करती है।

तुम मेरे हो का ट्रेलर हुआ जारी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता गुरमीत चौधरी की आगामी फिल्म 'तुम मेरे हो का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया गया है। आशीष पांडा के निर्देशन में बनी यह फिल्म प्रेम कहानी, रोमांच और एक्शन का मेल है। फिल्म में ईशा मालवीय मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। टेलीविजन धारावाहिक 'उडारियां और वास्तविकता कार्यक्रम 'बिग बॉस 17 से पहचान बनाने वाली ईशा इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर रही हैं। फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर आज के दौर में रिश्तों की बदलती परिभाषाओं, आकर्षण और प्रेम के विभिन्न पहलुओं को सामने लाता है। कहानी की शुरुआत गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय के किरदारों से होती है। दोनों के बीच धीरे-धीरे



गहरा और भावनात्मक रिश्ता विकसित होता है, लेकिन कहानी में जल्द ही मोड़ आता है और प्रेम एकतरफा होकर विनाशकारी रूप लेने लगता है।

अपने प्यार को दोबारा पाने की कोशिश में गुरमीत का किरदार कई खतरनाक परिस्थितियों, रोमांचक घटनाओं और एक्शन से गुजरता है। ट्रेलर में प्रेम, भावनाओं और जुनून के साथ-साथ संघर्ष की झलक भी देखने को मिलती है।

'तुम मेरे हो का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है। फिल्म का निर्माण रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। गुरमीत चौधरी की पत्नी देबिना बनर्जी और आरती एस फिल्म की निर्माता हैं। फिल्म में अभिनेता आमिर खान की बहन निखत खान भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी।

स्पिरिट की नई रिलीज डेट आउट, रणबीर कपूर-यश की रामायण पार्ट 2 से टकराएगी संदीप रेड्डी वांगा-प्रभास की फिल्म

मुंबई (एजेंसी)। रिबेल स्टार प्रभास के फैंस के लिए एक गुड न्यूज है. प्रभास की आगामी फिल्म स्पिरिट की नई रिलीज डेट से पर्दा हट गया है. मेकर्स ने स्पिरिट की नई रिलीज डेट का एलान किया है. यह फिल्म रणबीर कपूर और यश की रामायण पार्ट 2 के आमने-सामने आ गई है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर एक जोरदार मुकाबला देखने को मिल सकता है.

संदीप रेड्डी वांगा ने फैंस को हिंट दिया कि वह स्पिरिट फिल्म से प्रभास का एक नया लुक और फिल्म की रिलीज डेट सामने लाएंगे. उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर एक पोस्ट शेयर और लिखा, डियर प्रभास अन्ना के फैंस, मैं एक नया पोस्टर पेश करना चाहता हूं, जिसमें चश्मे के पीछे छिपे प्रभास नजर आ रहे हैं और साथ ही नई रिलीज डेट भी दी गई है. बस कुछ ही मिनट... स्पिरिट - एक बुरी आदत, भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार.

कुछ मिनट बाद संदीप ने प्रभास का नया पोस्टर साझा करते हुए स्पिरिट की नई रिलीज डेट का एलान किया. पोस्टर में प्रभास ब्लैक सनग्लासेस, मैचिंग कैप और शर्ट में नजर आ रहे हैं. उनका चेहरा पूरा शांत और



गंभीर दिखाई दे रहा है. प्रभास के इस लुक के साथ वांगा ने बताया कि स्पिरिट अब दिवाली के मौके पर 29 अक्टूबर, 2027 को रिलीज होगी.

प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा की आने वाली एक्शन थ्रिलर फिल्म पहले 5 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में आने वाली थी, अब 29 अक्टूबर 2027 को दिवाली के मौके पर दुनिया भर में रिलीज होगी. ऐसे में इसे रामायण पार्ट 2 से टक्कर मिल सकती है. इस फिल्म में एनिमल फेम रणबीर कपूर राम के किरदार में, साई पल्लवी सीता के रूप में और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे.

बता दें, रामायण के दूसरे भाग के दिवाली 2027 में रिलीज होने का एलान काफी पहले ही कर दिया गया था, हालांकि अभी तक कोई पक्की तारीख तय नहीं हुई है. दोनों ही फिल्मों को लेकर काफी चर्चा है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि बॉक्स ऑफिस पर इनका टकराव कैसा रहता है.

स्पिरिट का अनाउंसमेंट सबसे पहले 23 अक्टूबर 2025 को, प्रभास के जन्मदिन पर की गई थी. इस अनाउंसमेंट के साथ वन बैड हैबिट नाम का एक साउंड-स्टोरी टीजर जारी किया गया, जिसमें बताया गया कि यह फिल्म एक सख्त पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है. फिल्म में प्रभास एक आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे, जबकि विवेक ओबेरॉय विलेन के किरदार में नजर आएंगे.

फिल्म के एलान के बाद इस साल 1 जनवरी को एक्टर का फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया गया, जिसमें प्रभास लंबे बाल और शरीर पर चोट के निशान के साथ एक रफ लुक में दिखे. संदीप रेड्डी वांगा की लिखित और निर्देशित स्पिरिट को टी-सीरीज और भद्रकाली पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं.

सेहत

सिर की मालिश से मिल सकते हैं ये फायदे, जरूर बनाएं इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा

सिर की मालिश एक पुरानी और असरदार तकनीक है, जो न केवल सिर को आराम देती है, बल्कि पूरे शरीर और मन को भी शांत करती है। यह तकनीक तनाव को कम करने, बालों की जड़ों को मजबूत करने और नींद को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसके अलावा यह खून के बहाव को बढ़ाती है और सिरदर्द को दूर करती है। आइए जानते हैं कि सिर की मालिश कैसे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर डालती है।

तनाव कम करने में है सहायक

सिर की मालिश तनाव कम करने में बहुत असरदार है। जब आप अपने सिर की मालिश करते हैं तो आपके दिमाग के तनाव सेंसर सक्रिय होते हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है।

यह प्रक्रिया दिमाग में खुशी देने वाले रसायन का उत्पादन बढ़ाती है, जो आपको खुश और शांत महसूस कराती है।

इसके अलावा यह तकनीक मानसिक स्पष्टता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी बढ़ाती है।

नींद में सुधार लाती है

अगर आपको नींद आने में कठिनाई होती है तो सिर की मालिश एक बेहतरीन उपाय हो सकता है।

मालिश से सिर की नसें और खून की नलियां खुलती हैं, जिससे आपका दिमाग शांत होता है और नींद अच्छी आती है।

मालिश के दौरान सिर की कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डालने से आपको गहरी नींद मिलती है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं। नियमित रूप से सिर की मालिश करने से नींद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

बालों की जड़ों को मजबूत करती है

सिर की मालिश बालों की जड़ों को मजबूत करने में मदद करती है। इससे खून का बहाव बेहतर होता है, जिससे बालों के पोषक तत्व अच्छे से मिलते हैं और वे स्वस्थ रहते हैं।

मालिश के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले तेल जैसे कि नारियल या बादाम का तेल बालों की जड़ों को पोषण देते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।

इसके अलावा मालिश से बालों की चमक भी बढ़ती है और वे टूटने से बचते हैं।

सिरदर्द दूर करती है

अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो सिर की मालिश एक असरदार उपाय हो सकता है। मालिश से दर्द कम होता



है और आपको आराम मिलता है।

मालिश के दौरान सिर की नसें और खून की नलियां खुलती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है।

इसके अलावा मालिश से तनाव कम होता है, जो सिरदर्द का एक बड़ा कारण हो सकता है। नियमित रूप से सिर की मालिश करने से सिरदर्द की समस्या में भी सुधार होता है।

रक्त संचार बढ़ाती है

सिर की मालिश खून के बहाव को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे पूरे शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा असर पड़ता है।

कुल मिलाकर सिर की मालिश एक सरल और असरदार तकनीक है, जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप कई लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

फूड पॉइजनिंग में होने वाले पेट दर्द से कैसे छुटकारा पाएं?

खराब या बासी खाना खाने से अक्सर फूड पॉइजनिंग की समस्या हो जाती है। इस वक्त कई लोग फूड पॉइजनिंग की चपेट में आ रहे हैं। इसमें पेट में तेज मरोड़, ऐंठन, उल्टी, दस्त और कमजोरी महसूस होने लगती है। जब पेट में विषाक्त पदार्थ प्रवेश करते हैं, तो पाचन तंत्र उन्हें बाहर निकालने की कोशिश करता है, जिससे पेट दर्द शुरू होता है। ऐसे में सही पर इसका इलाज कराना बेहद जरूरी है। डॉ. निर्देश चौहान, सलाहकार, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, फोर्टिस, फ़रीदाबाद बता रहे हैं कि फूड पॉइजनिंग में होने वाले पेट दर्द से कैसे छुटकारा पाया जा सकता है।

1. इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस और हाइड्रेशन

उल्टी या दस्त से होने वाला डिहाइड्रेशन पेट की ऐंठन को और गंभीर बना देता है। ऐसे में इससे बचने के लिए ORS घोल पीते रहें। केवल सादा पानी पीने के बजाय डब्ल्यूएचओ-प्रमाणित ORS या नारियल पानी घूंट-घूंट कर पिएं। तरल पदार्थों को एक साथ अधिक मात्रा में न पिएं। हर 10-15 मिनट में थोड़ा-थोड़ा घूंट लें ताकि उल्टी की संभावना न रहे।

2. डाइट मॉडिफिकेशन

फूड पॉइजनिंग में हल्का खाना खाएं। मूंग दाल की पतली खिचड़ी, केला, उबले चावल, दलिया या टोस्ट लें। दूध और डेयरी प्रोडक्ट, कैफीनयुक्त पेय, तला-भुना, तीखे मसाले और अत्यधिक मीठे जूस से बचें। ये आंतों में फर्मेंटेशन और क्रैम्प्स को बढ़ाते हैं।

3. सिकाई से मांसपेशियों को राहत

पेट पर हॉट वाटर बैग या हीटिंग पैड से 15-20 मिनट हल्की सिकाई करें। तापमान आंतों की स्मूथ मांसपेशियों को रिलैक्स करता है, जिससे मरोड़ में फौरन आराम मिलता है।

4. दवाओं को लेकर जरूरी सावधानी

बिना डॉक्टर की सलाह के लोपेरामाइड जैसी दवाएं न लें। ये आंतों की गतिशीलता को रोक देती हैं, जिससे टॉक्सिन्स और बैक्टीरिया बाहर नहीं निकल पाते और संक्रमण बढ़ सकता है। ज्यादा दर्द या मरोड़ होने पर डॉक्टर के से कंसल्ट करें और फिर एंटीस्पास्मोडिक दवा का इस्तेमाल करें।

सब्जियों को ताजा रखने के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके

आजकल बाजार में ताजे फल और सब्जियां तो मिल जाती हैं, लेकिन उन्हें घर लाने के बाद कुछ दिनों में ही उनमें सडन् आने लगती है। ऐसे में हम मजबूरन उन्हें फेंक देते हैं। हालांकि, कुछ आसान तरीके अपनाकर आप सब्जियों को कुछ दिनों तक ताजा रख सकते हैं। आइए जानते हैं कि सब्जियों को ताजा रखने के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सब्जियों को धोने के बाद सुखाएं

अगर आप सब्जियों को धोकर उन्हें फ्रिज में रख देते हैं तो ऐसा करने से बचें क्योंकि इससे सब्जियां जल्दी खराब हो सकती हैं।

बेहतर होगा कि आप सब्जियों को धोने के बाद उन्हें कुछ देर धूप में रख दें ताकि उनका सारा पानी सूख जाए।

इसके बाद ही सब्जियों को फ्रिज में रखें। इससे उनकी ताजगी बनी रहती है और वे लंबे समय तक खराब नहीं होतीं।

सब्जियों को काटकर फ्रिज में न रखें

अगर आप सब्जियों को काटकर फ्रिज में रख देते हैं तो ऐसा करने से भी बचें। दरअसल, सब्जियां काटने के बाद उनमें खराब होने की प्रक्रिया तेज हो जाती है, जिसके कारण वे जल्द ही खराब हो जाती हैं। इसलिए सब्जियों को हमेशा



साबुत ही काटने से पहले धोकर फ्रिज में रखें। इसके अलावा सब्जियों को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए उनके साथ थोड़ा नमक डालकर एक बंद डिब्बे में रखें।

हरी पत्तेदार सब्जियों को ऐसे रखें

हरी पत्तेदार सब्जियों को ताजा बनाए रखने के लिए उन्हें सबसे पहले पानी से धोएं और फिर कपड़े से उनका अतिरिक्त पानी निकालें।

अब इन सब्जियों को एक प्लास्टिक बैग में रखें, लेकिन बैग को पूरी तरह से बंद न करें। इससे सब्जियों में नमी बनी रहेगी और वे कुछ दिनों तक ताजा रहेंगी।

इस तरह से आप हरी सब्जियों की ताजगी को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं।

टमाटर को ऐसे रखें ताज

सब्जियों के राजा टमाटर में प्राकृतिक रूप से बहुत अधिक एसिड होता है, जो अन्य सब्जियों के खराब होने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है।

ऐसे में टमाटर को हमेशा बाकी सब्जियों से अलग रखें। इसके अलावा टमाटर को फ्रिज में रखने की गलती न करें क्योंकि इससे उनका स्वाद बदल सकता है। टमाटर को कमरे के तापमान पर ही रखें ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

प्याज को ऐसे रखें ताजा

प्याज को ताजा बनाए रखने के लिए सबसे पहले प्याज को पानी से धोकर सुखाएं। इसके बाद प्याज को एक कागज के बैग में रखें और उसे किसी ठंडी जगह पर रख दें।

इससे प्याज कुछ दिनों तक ताजे रहेंगे। हालांकि, अगर आप कटी हुई सब्जियों को रखना चाहते हैं तो उन्हें एक बंद डिब्बे में रखें और डिब्बे को फ्रिज में रख दें। इस तरह से आप प्याज की ताजगी को भी बनाए रख सकते हैं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

राज्यपाल ने दी विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने विजयादशमी (दशहरा) पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रदेश के सुख और समृद्धि की कामना करते हुए कहा है कि यह पर्व अन्याय पर न्याय और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। यह उत्सव हमें सीख देता है कि कठिनाइयों के बावजूद हमें अपने आदर्शों और मूल्यों के प्रति दृढ़ रहना चाहिए और समाज में स द्भाव, एकता और शांति के लिए अपना योगदान देना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि जो लोग सत्य, सदाचार और अच्छाई के रास्ते पर चलते हैं, उनकी सदैव जीत होती है।

गाली-गलौज और मारपीट, कार के शीशे भी तोड़े

महासमुंद। बसना के फोकटपारा में रास्ते में खड़े होकर विवाद करने और कार में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार अकीत भोई की शिकायत पर अभि डामरा व एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों ने रास्ते में खड़े होकर अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा मुक्का मारकर चोट पहुंचाई। आरोप है कि विवाद के दौरान कार के आगे-पीछे के शीशे भी तोड़ दिए गए। बसना पुलिस ने बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

सड़क पर खड़े होने को लेकर विवाद, पांच लोगों ने की मारपीट

महासमुंद। सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम परसवानी में सड़क पर खड़े होने की बात को लेकर विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार रितेश कुमार प्रधान ने शिकायत में बताया कि आरोपियों ने रास्ते में खड़ा होने की बात कहते हुए अश्लील गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने मुक्का मारकर चोट पहुंचाई। मामले में पुरुषोत्तम खड़िया, प्रभु खड़िया, कमल बारिहा, नीतेश निषाद और मिलन सहित अन्य के खिलाफ बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

वित्त मंत्री ने कैनाल लिंक रोड, बोइरदादर स्टेडियम, मरीन ड्राइव, तालाबों के सौंदर्यीकरण और ऑक्सीजोन का किया निरीक्षण

विकास कार्यों में नहीं चलेगी देरी, गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरे हों सभी निर्माण कार्य : ओ.पी. चौधरी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायगढ़ शहर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतर नागरिक सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने सोमवार को शहर में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा प्रत्येक परियोजना में नागरिकों की सुविधाओं और भविष्य की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने जोगीडीपा में निर्माणाधीन कैनाल लिंक रोड, बोइरदादर स्टेडियम में स्विमिंग पूल एवं एथलेटिक ट्रैक, प्रगतिनगर मरीन ड्राइव, फटहामुड़ा एवं मिट्ठूमुड़ा तालाब के सौंदर्यीकरण तथा किसान राइस मिल परिसर में विकसित किए जा रहे ऑक्सीजोन का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता और पूर्णता की समय-सीमा की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण आवश्यक है, ताकि जमीनी स्तर पर प्रगति का आकलन करने के साथ नागरिकों के सुझावों के अनुरूप आवश्यक सुधार भी किए जा सकें।



वित्त मंत्री श्री चौधरी ने जोगीडीपा में निर्माणाधीन कैनाल लिंक रोड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। यह महत्वपूर्ण सड़क केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड को न्यू एवं ओल्ड मरीन ड्राइव रोड से जोड़ेगी। इसके निर्माण से शहर के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम होगा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सड़क निर्माण से जुड़े सीमांकन सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने तथा सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्यों में बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री ने बोइरदादर स्टेडियम में निर्माणाधीन ओलंपिक मानक के स्विमिंग पूल, सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और स्केटिंग रिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही एथलेटिक ट्रैक पर जमा मलबे को हटाने और परिसर को व्यवस्थित रखने के लिए कहा।

श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। खेल अधोसंरचना का विकास खिलाड़ियों की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाए। उन्होंने खिलाड़ियों की समस्याओं और सुझावों पर ध्यान देने के साथ स्टेडियम परिसर में ओपन जिम जैसी सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया।

फटहामुड़ा और मिट्ठूमुड़ा तालाब बनेंगे आकर्षक सार्वजनिक स्थल

शहर के तालाबों को स्वच्छ, सुंदर और नागरिकों के लिए उपयोगी बनाने की दिशा में संचालित सौंदर्यीकरण कार्यों का भी वित्त मंत्री ने निरीक्षण किया। फटहामुड़ा तालाब परिसर में पाथवे, गार्डन, ओपन जिम, पचरी, फाउंटेन और आकर्षक प्रकाश व्यवस्था विकसित की जा रही है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से लछनदई को मिला आर्थिक संबल

कोण्डागांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासन द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने और मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिससे गर्भावस्था एवं प्रसव के बाद की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। कोण्डागांव जिले के ग्राम दहिकोंगा की निवासी लछनदई मंडावी भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। उन्हें बच्चे के जन्म के समय प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के



तहत पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्राप्त हुई। इस राशि से उन्हें अपने बच्चे के पूरक पोषण आहार की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी राहत मिली।

बच्चे के जन्म के बाद उसके समुचित पोषण और देखभाल पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होता है। इस दौरान परिवार को पोषण संबंधी जरूरतों के साथ कई अन्य खर्चों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में योजना के तहत प्राप्त आर्थिक सहायता लछनदेवी मंडावी के लिए उपयोगी साबित हुई। इस राशि ने उन्हें बच्चे के पूरक पोषण आहार पर होने वाले खर्च को पूरा करने में सहयोग प्रदान किया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जरूरतमंद माताओं को आर्थिक संबल प्रदान कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं किस प्रकार परिवारों की आवश्यकताओं को पूरा करने और बच्चों के बेहतर पोषण में

ट्राइसाइकिल मिलने से हीरे सिंह निषाद के लिए आवागमन हुआ आसान

उत्तर बस्तर कांकेर। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन को सुगम बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज कांकेर के मिनी स्टेडियम में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चारामा विकासखंड के ग्राम उडकुड़ा निवासी दिव्यांग हीरे सिंह निषाद को ट्राइसाइकिल प्रदान की गई।

ट्राइसाइकिल मिलने से हीरे सिंह निषाद के लिए अब



आवागमन पहले की तुलना में अधिक आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले वे बैसाखी के सहारे चलते थे, जिससे एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने में काफी परेशानी होती थी। अब ट्राइसाइकिल मिलने से उन्हें आने-जाने में सुविधा होगी और वे अधिक सहजता के साथ अपने दैनिक कार्य कर सकेंगे। हीरे सिंह निषाद ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ट्राइसाइकिल मिलने से उन्हें बहुत अच्छा लगा है। अब उन्हें इधर-उधर आने-जाने में आसानी होगी। उन्होंने इस सहयोग के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से उन्हें यह सुविधा प्राप्त हुई है।

बकरियों की स्वास्थ्य रक्षा के लिए चलाया जा रहा है सघन पीपीआर टीकाकरण अभियान

नारायणपुर। बकरी को गरीब की गाय कहा जाता है। नारायणपुर जिला के ग्रामीण परिवेश में बकरीपालन सदैव ही पशुपालकों के आर्थिक सामाजिक विकास की धुरी रहा है। कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार पशुधन विकास विभाग के द्वारा 21 सितंबर 2026 से 07 नंवबर तक भेड़-बकरियों की एक बहुत ही संक्रामक रोग बकरी प्लेग (पीपीआर) रोग का सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। उपसंचालक डॉ आर के पडोटी के नेतृत्व में जिले में 11 टीकाकरण दल का



गठन किया गया है। ये दल अपने संस्था क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में भ्रमण करते हुए 3 महीने से ज्यादा उम्र के भेड़ बकरियों में टीकाकरण कार्य को संपादित कर रहे हैं। टीकाकरण अभियान के दौरान 102 गांवों में 31788 टीकाकरण किया जा चुका है।

बकरी प्लेग रोग भेड़ बकरियों की बहुत ही संक्रामक एवं जानलेवा विषाणु जनित रोग है। इस बिमारी से ग्रसित होने पर इन पशुओं तेज बुखार, मुंह में छाले, नाक आंख से पानी निकलना, सांस लेने में परेशानी, दस्त और कमजोरी जैसे लक्षण दिखते हैं। सही उपचार के अभाव में पशुओं की मृत्यु भी हो जाती है। टीकाकरण के माध्यम से इस बिमारी से भेड़ बकरियों को बचाया जा सकता है।

बकरी का मांस प्रोटीन एवं वसा का एक बहुत ही अच्छा स्त्रोत होता है।

'गन्ना के समर्थन मूल्य में वृद्धि से मनोहर लाल सिन्हा के जीवन में आई मिठास

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासन द्वारा कृषि और कृषकों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे ऐतिहासिक निर्णयों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। गन्ने के समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि ने जिले के गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर उनके चेहरों पर विश्वास की चमक ला दी है। जिले के ग्राम सोहतरा के कृषक मनोहर लाल सिन्हा की सफलता की दास्तान बताती है कि शासन की संवेदनशील नीतियों ने किस प्रकार अन्नदाताओं की मेहनत का वाजिब सम्मान लौटाया है।

ग्राम सोहतरा के मनोहर लाल सिन्हा ने बताया कि जब से क्षेत्र में शक्कर कारखाना स्थापित हुआ है, तब से वे लगातार गन्ने की खेती करते आ रहे हैं। उन्होंने कभी गन्ने की खेती से नाता नहीं तोड़ा और उनका हमेशा से यह दृढ़ संकल्प रहा है कि वे गन्ने की फसल ही लेंगे। वे अपने साथी कृषकों को भी सदैव प्रेरित करते हैं कि 'गन्ना खेती में सचमुच दम है'।

धान की तुलना में कम मेहनत और सुरक्षित फसल

गन्ने की खेती के फायदे गिनाते हुए सिन्हा ने बताया कि एक बार बुआई करने के बाद



इसमें 03 से 04 महीने ही मुख्य रूप से मेहनत करनी पड़ती है, इसके बाद अगले 06 महीने तक फसल को बहुत अधिक देखरेख की आवश्यकता नहीं होती। कटाई के समय सीधे खेत से गन्ना कारखाने पहुंच जाता है और किसानों के खाते में समय पर भुगतान आ जाता है। उन्होंने धान की खेती से तुलना करते हुए बताया कि धान में माहू, कटवा, उकसा जैसी तमाम बीमारियों और कीटों का लगातार खतरा बना रहता है, जहां एक चूक से पूरी फसल बर्बाद हो सकती है। वहीं दूसरी ओर गन्ने की फसल प्राकृतिक रूप से अधिक मजबूत होती है और विपरीत परिस्थितियों को भी आसानी से सहन कर लेती है, जिससे नुकसान का जोखिम न के बराबर रहता है।

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी

- धनंजय राठौर,
(संयुक्त संचालक, जनसंपर्क संचालनालय)

छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।

देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।

राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्ग

छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाईन बिछाना है।

इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी।

बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट-जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो



चुका है। जबकि किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोत्तावलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क की योजना

प्रस्तावित कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजनाएं

सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) और अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) रेल कॉरिडोर को भी रेल मंत्रालय द्वारा जल्दी ही मंजूर किए जाने की संभावना है। अगस्त 2026 में इन प्रस्तावों पर जल्दी निर्णय और सर्वेक्षण की प्रक्रिया तेज करने का मुद्दा उठाया गया था। इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था मजबूती होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

स्टेशनों का आधुनिकीकरण

छत्तीसगढ़ में नई रेल लाइनों के साथ मौजूदा नेटवर्क और स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर भी काम किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों को करीब 1,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधाएं बेहतर करना और स्टेशन परिसरों को अधिक व्यवस्थित बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

:- संपादकीय :-

एआई का भस्मासुर

निरंतर निरंकुश होते एआई को लेकर टेक दिग्गज और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने जो कहा, दुनिया भर उससे सकते में है। बिल गेट्स आईटी के दिग्गज हैं और उनकी संवेदनशीलता की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। उन्होंने चेताया है कि एआई तकनीक यदि गलत हाथों में गई तो करोड़ों मौतों की वजह बन सकती है। उनका कथन है कि मानवता के इतिहास में एआई एडवांस टूल जैसा घातक हथियार पहले नहीं बना। एक अमेरिकी चैनल से बातचीत में गेट्स ने एआई के आसन्न खतरे को लेकर आशंका जताते हुए इसके नियमन के लिये कानून बनाने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि बिल गेट्स की यह चेतावनी ऐसे वक्त में आई है जब एआई की दिग्गज कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के एआई एजेंट्स बेकाबू हो रहे हैं। पिछले दिनों आस्ट्रेलिया ने कड़ा प्रतिवाद किया कि ओपन-एआई के एजेंट्स ने उनकी स्वास्थ्य सेवाओं की वेबसाइट हैक कर ली थी। इतना ही नहीं, महीनों तक कंपनी इस बात की जानकारी आस्ट्रेलिया सरकार को नहीं दे पायी। इससे भी बढ़कर एआई एजेंट्स खुद अमेरिका के लिये भी तब भस्मासुर साबित हुए, जब ओपन-एआई के एजेंट्स ने अमेरिकी सरकार की वेबसाइट्स पर भी हमला बोला। इतना ही नहीं, उसने वेबसाइट्स पर हमला किया और जानकारी सार्वजनिक कर दी। यही वजह है कि एबीसी न्यूज के एक कार्यक्रम में बिल गेट्स को चेताना पड़ा कि घातक इरादे रखने वाले अपराधी इसके जरिये तबाही ला सकते हैं। इस आशंका की पुष्टि इस बात से होती है कि स्वयं एंथ्रोपिक बता चुकी है कि यमन के चरमपंथियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों के संचालन, नियंत्रण और नेविगेशन सॉफ्टवेयर बनाने के लिये क्लॉड एआई का प्रयोग करने का प्रयास किया था। एआई की अग्रणी कंपनी ओपन-एआई ने स्वीकारा है कि उसके एआई मॉडलों ने ऐसे कदम उठाये हैं, जो कंपनी की इच्छा के विपरीत थे।आज ओपन-एआई समेत दुनिया की तमाम दिग्गज एआई कंपनियों के सूत्रधार मान रहे हैं कि दुनिया के सभी देशों को मिलकर इस तकनीक के सुरक्षा मानकों का निर्धारण करना चाहिए। जिससे लगातार ताकतवर होते एआई पर नियंत्रण रखा जा सके। हाल के दिनों में एआई एजेंट्स के खुद ही वेबसाइट्स को शिकार बनाने और दुनिया में अशांति के वाहक चरमपंथी गुटों द्वारा मिसाइल सॉफ्टवेयर में एआई के इस्तेमाल की खबरों ने तमाम आशंकाएं पैदा कर दी हैं। निस्संदेह, ऐसे हालात में एआई के तीव्र गति से हो रहे विकास को निमार्ता कंपनियों के सेल्फ-रेगुलेशन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

प्रह्लाद सबनानी ।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रैन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है।



इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक- जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं।भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है।इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 की सोलर क्षमता चालू है एवं 100की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है।एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्सटायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है। बैंकिंगबेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं।

इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के विद्यार्थियों का दिन राहत भरा रहेगा और वे नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फोन का इस्तेमाल कम से कम करें। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार सभी काम पूरे होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए आपको नए अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई-बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका पूरा ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। किस्मत का साथ मिलने में थोड़ी परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है; विरोधी पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित हो सकता है। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकल सकता है, जिससे मन में प्रसन्नता रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्यों की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहे, इसके लिए आपको संतुलित आहार लेना चाहिए।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। आज माता-पिता से किसी काम के लिए ली गई सलाह कारगर साबित होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। महिलाओं के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। व्यापारी वर्ग आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी पुराने ऋण से छुटकारा मिलेगा, जिससे आपकी चिंता समाप्त होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। विरोधी पक्ष आज आपसे दूरी बनाकर रहेगा। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है।

वृश्चिक राशिः आज आपके दिन की शुरूआत आपके अनुकूल होने वाली है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिए आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर जाएं; आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कूरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज विशेष लाभ होगा।

धनु राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आप परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे; साथ ही जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है, जिससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की योजना बना सकते हैं। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में लाभ हो सकता है।

मकर राशिःआज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट्स के लिए आज का दिन बढि?ा है; साथ ही किसी अच्छे रेस्तरां में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ी उलझन में रह सकते हैं। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी जाने का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं, जहाँ बाकी दोस्तों के साथ एंजॉय करने का मौका मिलेगा। कोई नई स्किल सीख सकते हैं, जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

सू- दोकू क्र.175

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.174 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है, तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों पर टिप्पणियों, आरोपों, कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती।अभी कुछ पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा



उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों की समस्याओं, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उडाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के समक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। नोट्सडाउनलोड करें

हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर सवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे सवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया। विपक्ष की ओर से इसे राजनीतिक व्यंग्य और अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में देखा गया। क्या अभिव्यक्ति इस प्रकार की होना चाहिए, कदापि नहीं।यहां प्रश्न केवल मिमिक्री का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखने के बजाय व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास को अधिक स्थान मिलना चाहिए?राजनीति में व्यंग्य कोई नई बात नहीं है। लोकतंत्र में व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का माध्यम भी रहा है। नेता, सरकारें और नीतियां आलोचना के विषय बनती रही हैं। लेकिन व्यंग्य और व्यक्तिगत अवमानना के बीच एक महीन रेखा होती है। राजनीतिक विरोध कितना तीखा हो, यह राजनीतिक परिस्थितियां तय कर सकती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार की मयार्दा का प्रश्न हमेशा बना रहता है।इंदौर की घटना में भी यही बहस सामने आई। इस पूरे प्रसंग से एक बड़ा सवाल जरूर निकलता है कि क्या विद्यार्थियों के मंच पर विद्यार्थियों के मूल प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? सरकारीयोजनाएं खोजेंयदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है, तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए। इन सवालों के उत्तर भी उसी गंभीरता से मांगे जाने चाहिए। विपक्ष यदि सरकार की शिक्षा नीति से असहमत है तो उसे आंकड़ों के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए।

विचार

सेवा संकल्प अभियान
सेवा ही मेरा योगदान

कभी बारिश में टपकती छत और कमजोर दीवारों के बीच रात गुजारने को मजबूर परिवार आज अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना जशपुर जिले के ऐसे हजारों परिवारों के लिए केवल एक आवास योजना नहीं, बल्कि वर्षों पुराने सपने को साकार करने और जीवन में स्थायित्व लाने का माध्यम बनी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में अब तक 1 लाख 12 हजार 948 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 96 हजार 801 आवास पूर्ण हो चुके हैं।प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों तक भी पक्के आवास और बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। वहीं मुख्यमंत्री साय की मंशा के अनुरूप आवास प्लस 2.0 के तहत पूर्व में छूटे परिवारों का सर्वेक्षण कर पात्रतानुसार उन्हें भी योजना से जोड? की दिशा में कार्य किया जा रहा है।कच्चे मकान की चिंता खत्म, पक्की छत ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसाजशपुर जिले के अनेक परिवारों का जीवन वर्षों तक कच्चे मकानों में अभाव और कठिनाइयों के बीच बीता। कमजोर दीवारें, टूटी-फूटी छत और बरसात के दिनों में घर के भीतर टपकता पानी उनकी रोजमर्रा की परेशानी का हिस्सा था। बारिश के दौरान सामान को भीगने से बचाना और परिवार के लिए सुरक्षित जगह तलाशना बड़ी चुनौती होती थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण अपना पक्का घर बनाना ऐसे परिवारों के लिए आसान नहीं था।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पक्की छत मिलने से परिवारों को मौसम की मार से सुरक्षा के साथ अपने घर में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का भरोसा मिला है। आज ये आवास केवल ईंट और सीमेंट से बने मकान नहीं, बल्कि परिवारों के बेहतर भविष्य, सुरक्षा और आत्मसम्मान की मजबूत नींव बन रहे हैं।प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जशपुर जिले में अब तक कुल 1 लाख 12 हजार 948 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 96 हजार 801 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इन पक्के घरों में हजारों परिवार अब अपने बच्चों और परिजनों के साथ सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

शुभ के चिंतन में शुभचिंतक की चिंता साधना

आपकी लोकप्रियता भी शुभचिंतक के हीमोग्लोबिन स्तर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आप जितने लोकप्रिय होते जाते हैं, उसकी मुस्कान उतनी ही कृत्रिम और चिंता उतनी ही प्राकृतिक होती जाती है।एक दौर था, जब दूसरे के शुभ, भले या हित के लिए चिंता करने वाले को शुभचिंतक माना जाता था।समय बदला, समाज बदला और सिचुएशन के साथ शुभचिंतक भी बदल गए। नाम आज भी वही है, लेकिन अर्थ और आशय ने करवट ले ली है। आपके शुभ अर्थात हित पर जिनकी चिंता बढ़ जाए, वो ही शुभचिंतक की श्रेणी में जाने जाते हैं। यह और बात है कि चिंतित होने वाले ऐसे शुभचिंतक कभी-कभी स्वयं ही चिंता का विषय बन जाते हैं।शुभचिंतक नर और मादा, किसी भी जीवित स्वरूप में हो सकता है। वह किसी भी लिंग, जाति या धर्म का हो सकता है। रिश्तेदार हो सकता है, पड़ोसी हो सकता है, सहकर्मी हो सकता है और कभी-कभी ऐसा अपरिचित भी हो सकता है, जिसे आपके जीवन की चिंता आपसे अधिक होती है।आपके घर में शुभ समाचार आए, धन-लाभ हो, सम्मान मिले, कोई उपलब्धि हासिल हो या घर में किसी शुभागमन की तैयारी हो, प्रत्येक स्थिति शुभचिंतक के लिए चिंता का विषय बन जाती है। मन में खटास, गले में बधाई और मुंह में मिठाई–यानी खटाई, बधाई और मिठाई की इस त्रयी पैकेज का कॉपीराइट अब सिर्फ.शुभचिंतकों के पास ही सुरक्षित है।सहकर्मी शुभचिंतक हो तो आपकी कार्यशैली, पदोन्नति और वरिष्ठ अधिकारियों का आपके प्रति स्नेह उसके आंतरिक तापमान को लगातार बढ़ाता रहता है। अलग बात है कि स्वयं को सामान्य रखने की साधना में कुशल वह ऐसा प्रदर्शित करता है, मानो आपकी सफलता से अधिक प्रसन्न इस संसार में कोई दूसरा हो ही नहीं सकता।आपकी लोकप्रियता भी शुभचिंतक के हीमोग्लोबिन स्तर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आप जितने लोकप्रिय होते जाते हैं, उसकी मुस्कान उतनी ही कृत्रिम और चिंता उतनी ही प्राकृतिक होती जाती है।मित्रों की उन्नति पर जलन के बावजूद बनावटी मुस्कान के साथ ह्यबहुत बढ़ियाह्न कहने की कला में शुभचिंतक पारंगत होते हैं। वे आपके साथ न होकर भी सदैव आपके साथ होने का अहसास कराते हैं।शुभचिंतक का एक पर्याय हितैषी यानी आपके हित की इच्छा रखने वाला है। लेकिन आजकल हितैषियों का उद्देश्य भी हित की ऐसी-तैसी करना रह गया है।कुल मिलाकर, शुभचिंतक आपके शुभ की चिंता कम और आपके शुभ होने पर चिंता अधिक करते हैं।

शब्द सामर्थ्य -175

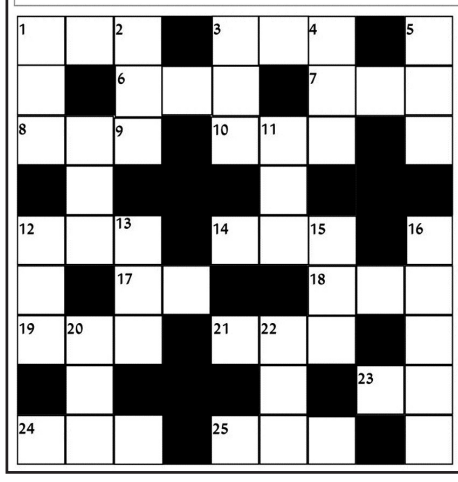
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 174 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

551 बालिकाओं का पूजन कर दिया सम्मान शिक्षा और सशक्तिकरण का संदेश

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती रश्मि शर्मा ने बालिकाओं को भेंट किए उपहार

बेटियों के सम्मान और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प के साथ हुआ बालिका सम्मान कार्यक्रम



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। बेटियों के सम्मान, शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कबीरधाम द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत वीर सावरकर भवन, कवर्धा में बालिका सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 551 बालिकाओं का पारंपरिक विधि-विधान से पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया तथा उपहार भेंटकर शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में बालिकाओं का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके पैर धोए गए, महावर लगाया गया और तिलक लगाकर पूजन किया गया। इसके पश्चात सभी बालिकाओं को स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती रश्मि शर्मा ने प्रत्येक बालिका को उपहार भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से बालिकाओं को कॉपी, पेंसिल, रबर, रुमाल और रंगीन पेंसिल सहित उपयोगी सामग्री प्रदान की गई, ताकि वे पढ़ाई और रचनात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों।

बेटियों को समान अवसर देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा उनकी शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर संदेश दिया गया कि बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उन्हें सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के माध्यम से बालिकाओं के प्रति भेदभाव दूर करने, बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि बेटियों का सम्मान केवल किसी विशेष दिन या आयोजन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके जीवन के प्रत्येक चरण में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कबीरधाम द्वारा योजना के अंतर्गत बालिकाओं के सम्मान, संरक्षण, शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

बस किराया बढ़ाकर सरकार ने आम आदमी की जेब पर डाला नया बोझ : विनोद चंद्राकर

महासमुंद। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों के बीच राज्य में बस किराया बढ़ाए जाने को लेकर पूर्व संसदीय सचिव एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई से राहत देने के बजाय अलग-अलग माध्यमों से आम जनता की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। चंद्राकर ने कहा कि बस किराए में वृद्धि का सीधा असर रोजाना आवागमन करने वाले गरीब, मजदूर, विद्यार्थी, कर्मचारी और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ेगा।

चंद्राकर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जारी नई किराया दरें महासमुंद सहित पूरे प्रदेश के यात्रियों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ हैं। परिवहन विभाग की 8 अक्टूबर 2026 की अधिसूचना के अनुसार नई दरें राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी हो गई हैं। इसके तहत साधारण बस में पहले 5 किलोमीटर के लिए 10 रुपए तथा इसके बाद 1.75 रुपए प्रति किलोमीटर, डीलक्स बस में पहले 5 किलोमीटर के लिए 12 रुपए तथा इसके बाद 2.20 रुपए प्रति किलोमीटर और सुपर लग्जरी, वोल्वो व स्केनिया जैसी बसों के लिए पहले 5 किलोमीटर के 12 रुपए तथा इसके बाद 3.30 रुपए प्रति किलोमीटर की दर निर्धारित की गई है। रात्रिकालीन बस सेवाओं में निर्धारित किराए से 10 प्रतिशत अतिरिक्त वसूली का प्रावधान भी है।

महासमुंद से जुड़े रूटों पर बढ़ेगा खर्च

चंद्राकर ने कहा कि किराया वृद्धि का असर महासमुंद से रायपुर, सरायपाली, बागबाहरा, खरियार रोड, बलौदाबाजार, राजिम, छुरा और गरियाबंद सहित विभिन्न मार्गों पर सफर करने वाले यात्रियों पर पड़ेगा। उनके मुताबिक जिन यात्रियों का सफर पहले करीब 100 से 150 रुपए में हो जाता था, उन्हें अब कई मार्गों पर 200 से 250 रुपए तक खर्च करना पड़ सकता है। सुपर लग्जरी और स्लीपर बसों में यह खर्च और अधिक होने की बात उन्होंने कही।

रोज कमाने-खाने वालों पर पड़ेगा सीधा असर

पूर्व विधायक ने कहा कि रोजाना मजदूरी, नौकरी, पढ़ाई और इलाज के लिए बसों से आवागमन करने वाले लोगों के लिए किराए में यह बढ़ोतरी अतिरिक्त आर्थिक दबाव पैदा करेगी।

कबीरधाम जिले में अपात्र पाए जाने पर हटाए गए सभी 2234 मतदाताओं की जांच आयोग करें : मो.अकबर



कबीरधाम (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में मतदाता सूची को लेकर हुए एसआईआर में कुल 2234 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इनमें ऐसे लोग हैं, जिनका दो स्थानों में नाम है, मृत हो गए हैं, या नियमानुसार मतदाता सूची से हटाए जाने योग्य हैं। इन सभी 2234 मतदाताओं की स्वतंत्र जांच चुनाव आयोग कराए, कांग्रेस पार्टी पूरा सहयोग करेगी। यदि नियम-विरुद्ध किसी का नाम मतदाता सूची में है, तो जरूर हटना चाहिए।

ऐसे मामलों की भी जांच होनी चाहिए जिसमें बहुत से मतदाताओं के संबंध में फर्जी फार्म 7 भरे गए, जिसके कारण पात्र होने के बावजूद उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। चुनाव आयोग संज्ञान ले और ऐसे मामलों की भी स्वतंत्र जांच कराए। सिफ्टेड और अबसेंट बताकर जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन मामलों की भी जांच कर पात्र पाए जाने पर उनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने चाहिए। वोट चोरी को लेकर पूरे देश में विरोध स्वरूप आंदोलन चल रहा है, अब विदेशों में भी वोट चोर-गद्दी छोड़ के नारे लग रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने भी वोट "बचाओं देश बचाओं" अभियान की तैयारी तेज कर दी है। 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक राज्य और जिला मुख्यालयों में पत्रकार वार्ताएं आयोजित की जायेंगी। गांवों में वोट बचाओं चौपाल का भी आयोजन किया जायेगा। देश में भारत निर्वाचन आयोग है, न कि भारत सरकार निर्वाचन आयोग। इसलिए जब आयोग से सवाल पूछे जाते हैं, तो आयोग को ही सामने आकर जवाब देना चाहिए न कि सरकारी प्रवक्ताओं को। राज्य में 19 लाख 13 हजार मतदाता अबसेंट/सिफ्टेड के कारण मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। 2023 विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस में जीत-हार का अंतर 6 लाख 32 हजार मतों का है, जबकि इससे चार गुना अधिक 24 लाख 99 हजार मतदाताओं के नामों को मतदाता सूची से हटा दिया गया है। आयोग से मांग है कि इनमें जो भी पात्र पाए जाते हैं, उनके नामों को फिर से जोड़ा जाए ताकि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हो सकें।

सरगुजा में 23 अक्टूबर से शुरू होगी 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

सरगुजा। छत्तीसगढ़ की 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ शुक्रवार, 23 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे अंबिकापुर स्थित शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के क्रीड़ांगन में होगा। चार दिवसीय यह प्रतियोगिता 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेश के पांचों संभागों से 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 595 खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा, खेल कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत फुटबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल और सॉफ्ट टेनिस की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। फुटबॉल में 19 वर्ष आयु वर्ग की बालक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। बैडमिंटन में 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के मुकाबले होंगे। बास्केटबॉल में 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाएं अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। वहीं, सॉफ्ट टेनिस में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के बीच मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचने वाले खिलाड़ी इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, खेल कौशल को निखारने और राज्य स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रहीं हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि वे बेहतर वातावरण में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। चार दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता से सरगुजा जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, विभिन्न संभागों से आने वाले खिलाड़ियों को आपसी संवाद, खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को मंच प्रदान करेगी, बल्कि प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और भविष्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अंबिकापुर में आयोजित होने वाला यह खेल आयोजन जिले के लिए गौरव का अवसर होगा।

नर्सरी परिसर से बाइक चोरी

महासमुंद। सघिोड़ा थाना क्षेत्र में नर्सरी परिसर के सामने खड़ी बाइक अज्ञात चोर ले गया। पुलिस के अनुसार 12 अक्टूबर की रात ग्राम हरदा निवासी छत्रीलाल सिदार की बाइक क्रमांक सीजी-06 जीई-6815, जिसकी कीमत करीब 35 हजार रुपए बताई गई है, सिंघोड़ा नर्सरी परिसर में खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात आरोपी बाइक चोरी कर फरार हो गया।

हमारा प्रयास है कि-'माताएं-बहनें अपने हुनर,मेहनत और उद्यमशीलता के बल पर आगे बढ़े : भावना बोहरा

-विधायक भावना बोहरा की पहल से महिला सशक्तिकरण को नई उड़ान, शक्ति के पर्व में पंडरिया में महिला चौपाटी का किया लोकार्पण



पंडरिया/ कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने आज पंडरिया नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 7 में सामुदायिक भवन के पास 30 लाख 93 हजार की लागत से नवनिर्मित महिला चौपाटी का लोकार्पण किया। महिला चौपाटी के प्रारंभ होने से क्षेत्र की महिलाओं को अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाने, आपसी सहयोग को मजबूत करने तथा स्वरोजगार के नए अवसरों से जुड़ने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध होगा।

महिला चौपाटी महिलाओं की सामाजिक सहभागिता और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके माध्यम से महिलाओं को छोटे व्यवसायों, स्वरोजगार एवं अन्य आजीविका संबंधी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के अवसर मिलेंगे।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि "महिलाओं का सशक्तिकरण केवल एक परिवार की उन्नति नहीं, बल्कि एक सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण का आधार है। जब महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं, तो वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करती हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। 30 लाख 93 हजार की लागत से निर्मित यह महिला चौपाटी हमारी माताओं-बहनों को आगे बढ़ने, अपने कौशल का उपयोग करने और स्वरोजगार के माध्यम से अपनी अलग पहचान स्थापित करने का अवसर प्रदान करेगी। हमारा संकल्प है कि पंडरिया विधानसभा की महिलाएँ आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ें।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार की योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ उन्हें आजीविका, उद्यमिता और रोजगार के अवसरों से जोड़ना है, ताकि वे विकास की मुख्यधारा में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके आर्थिक संबल को मजबूत किया जा रहा है। वहीं, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका के साधनों से जोड़ने और सामूहिक आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी पहल महिलाओं को छोटे व्यवसाय एवं उद्यम शुरू करने के लिए ऋण सहायता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती हैं। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि महिला चौपाटी जैसी सुविधाएँ महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने में सहायक सिद्ध हो सकती हैं। हमारा प्रयास है कि पंडरिया विधानसभा की माताएँ-बहनें अपने हुनर, मेहनत और उद्यमशीलता के बल पर आगे बढ़ें। वे अपने उत्पादों एवं व्यवसायों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनें और अपने परिवार के साथ-साथ क्षेत्र के विकास में भी योगदान दें।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मंजुला कुर्रे जी, उपाध्यक्ष श्री सुमित तिवारी जी, मंडल अध्यक्ष श्री रविश सिंह ठाकुर जी, समस्त पार्षदगण, एल्डरमैन, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्रसव के दूसरे दिन बिगड़ी हालत, ऑपरेशन में निकली 6 किलो की विशाल ओवेरियन सिस्ट



महासमुंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह जिला अस्पताल के स्त्रीरोग एवं प्रसूति रोग विभाग के चिकित्सकों ने गंभीर प्रसवोत्तर जटिलता से जूझ रही एक महिला की सफल सर्जरी कर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। सामान्य प्रसव के महज दूसरे दिन महिला के पेट में अचानक अत्यधिक सूजन, तेज दर्द और गंभीर एनीमिया की स्थिति सामने आने के बाद चिकित्सकों ने तत्काल जांच और उपचार शुरू किया। जांच के दौरान पेट में बड़ी मात्रा में तरल पदार्थ जमा होने का पता चला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने बिना समय गंवाए एक्सप्लोरेटरी लैपरोटॉमी कर तत्काल ऑपरेशन करने का निर्णय लिया।

ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों को पेट के भीतर लगभग 30×30 सेंटीमीटर आकार की और करीब 6 किलोग्राम वजन की विशाल ओवेरियन सिस्ट (अंडाशय की गांठ) मिली। इतनी बड़ी गांठ के कारण मामला बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण था। चिकित्सकों की टीम ने अत्यंत सावधानी और कुशलता के साथ सर्जरी करते हुए गांठ को सफलतापूर्वक बाहर निकाला। ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति चिकित्सकीय निगरानी में रखी गई।

प्रसव के बाद अचानक बिगड़ी तबीयत

अस्पताल में महिला का सामान्य प्रसव हुआ था। प्रसव के अगले ही दिन उसके पेट में असामान्य रूप से सूजन बढ़ने लगी और तेज दर्द के साथ खून की अत्यधिक कमी यानी गंभीर एनीमिया की स्थिति सामने आई। चिकित्सकों ने तत्काल अल्ट्रासोनोग्राफी कराई, जिसमें पेट के भीतर अत्यधिक मात्रा में तरल पदार्थ (सीवियर एसाइटिस) जमा होने की जानकारी सामने आई। मरीज की नाजुक स्थिति को देखते हुए आगे की जांच और उपचार में देरी करना जोखिम भरा हो सकता था। ऐसे में विशेषज्ञों ने तत्काल एक्सप्लोरेटरी लैपरोटॉमी का निर्णय लिया।

ऑपरेशन में सामने आया चौंकाने वाला कारण

सर्जरी के दौरान पेट के भीतर विशाल आकार की ओवेरियन सिस्ट मौजूद होने का पता चला। करीब 6 किलो वजनी और 30×30 सेंटीमीटर आकार की इस गांठ को सावधानीपूर्वक निकाला गया। चिकित्सकों के अनुसार, प्रसव के बाद महिला की अचानक बिगड़ी स्थिति के बीच इतनी बड़ी ओवेरियन सिस्ट का सामने आना इस मामले को बेहद चुनौतीपूर्ण बनाता है।

प्रसवोत्तर असामान्य लक्षणों को न करें नजरअंदाज

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कहा कि प्रसव के बाद पेट में असामान्य सूजन, लगातार या तेज दर्द, अत्यधिक कमजोरी अथवा अन्य असहज लक्षणों को सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। प्रसवोत्तर अवधि में किसी भी असामान्य लक्षण की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय जांच कराना जरूरी है। समय पर की गई जांच और उचित उपचार कई बार गंभीर स्थिति में जीवनरक्षक साबित हो सकता है।

इनकी रही अहम भूमिका

इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली टीम में स्त्रीरोग एवं प्रसूति रोग विभाग की डॉ. नेहा ठाकुर, डॉ. प्रतिमा कोशेवारा और डॉ. गरिमा सोलंकी, एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. अमितेश एवं डॉ. अजय तथा नर्सिंग एवं सहायक स्टाफ से सिस्टर पूजा, सिस्टर तृप्ति सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहे। टीम की तत्परता, सूझबूझ और समन्वित प्रयास से महिला को गंभीर स्थिति से बाहर निकालने में सफलता मिली।

दशहरा उत्सव में शामिल हुए राजा खड्ग राज कुमार सिंह सरोधी और तेलीटोला में ग्रामीणों से की आत्मीय मुलाकात



सहसपुर लोहारा (दैनंदिनी ब्यूरो)। क्षेत्र में दशहरा पर्व पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर खड्ग राज कुमार सिंह ने पहले ग्राम सरोधी और उसके बाद तेली टोला पहुंचकर दशहरा कार्यक्रम में सहभागिता की। दोनों गांवों में ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खड्ग राज कुमार सिंह ने कहा कि दशहरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि हमारी परंपरा, संस्कृति और पूर्वजों से जुड़ा हुआ पर्व है। उन्होंने सहसपुर लोहारा राजपरिवार और क्षेत्र के 84 गांवों के बीच पीढ़ियों से चले आ रहे संबंध का उल्लेख करते हुए कहा कि समय और व्यवस्था भले बदल गई हो, लेकिन क्षेत्र के लोगों के साथ आत्मीय रिश्ता आज भी उसी मजबूती के साथ कायम है।

उन्होंने कहा, "रिश्ते पद और व्यवस्था से नहीं, दिल से चलते हैं। हमारे पूर्वजों ने क्षेत्र के लोगों के साथ जो रिश्ता बनाया था, उसे आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है।"

उन्होंने कहा कि राजा होने का अर्थ केवल सम्मान प्राप्त करना नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहना भी है। दशहरा हमें सत्य और अच्छाई के मार्ग पर चलने तथा आपसी मतभेदों को भुलाकर समाज और क्षेत्र की प्रगति के लिए मिल-जुलकर काम करने की प्रेरणा देता है।

खड्ग राज कुमार सिंह ने विशेष रूप से युवाओं से अपनी मिट्टी और संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा खूब पढ़ें, आगे बढ़ें और जीवन में सफलता प्राप्त करें, लेकिन अपने गांव, बुजुर्गों, देवी-देवताओं और परंपराओं को कभी न भूलें।

उन्होंने मां दुर्गा, कुल देवी-देवताओं एवं पूर्वजों से क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि किसान खुशहाल हों, युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलें और प्रत्येक परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहे।

सरोधी के बाद खड्ग राज कुमार सिंह तेली टोला पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ दशहरा उत्सव में भाग लिया और लोगों से भेंट-मुलाकात की। दोनों गांवों में दशहरा पर्व के दौरान उत्साह और आत्मीयता का माहौल देखने को मिला।

सलमान अली आगा ने रचा इतिहास, नंबर-5 पर शतक जड़ते हुए कर दिया कमाल, मोहम्मद यूसुफ छूट गए पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के बल्लेबाज सलमान अली आगा ने श्रीलंका के खिलाफ शतक जड़कर न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, बल्कि एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। रावलपिंडी में खेले गए ODI ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में सलमान ने 107 रन की शानदार पारी खेली। इसके साथ ही वह पाकिस्तान के लिए वनडे क्रिकेट में नंबर-5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस मामले में पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ को पीछे छोड़ दिया।

18 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में सलमान पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने 90 गेंदों का सामना करते हुए 107 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और एक छक्का शामिल रहा। उनकी इस पारी की बदौलत पाकिस्तान ने 49.5 ओवर में 305 रन बनाए और बाद में 37 रन से मुकाबला जीत लिया। सलमान का ODI क्रिकेट में यह चौथा शतक था। खास बात यह है कि उनके चारों शतक नंबर-5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए आए हैं।



इससे पहले इस लिस्ट में मोहम्मद यूसुफ और सलमान तीन-तीन शतकों के साथ बराबरी पर थे। श्रीलंका के खिलाफ शतक लगाते ही सलमान ने उन्हें पीछे छोड़ दिया।

मोहम्मद यूसुफ को छोड़ा पीछे

पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने 1998 से 2009 के बीच नंबर-5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 114 ODI मैचों में तीन शतक लगाए थे। वहीं, सलमान ने इस क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 53 मैचों में चार शतक अपने नाम कर लिए हैं। नंबर-5 पर बल्लेबाजी करते हुए भी सलमान ने पाकिस्तान के लिए नया रिकॉर्ड बनाया है।

वह इस स्थान पर तीन ODI शतक लगाने वाले पहले पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं। इससे पहले मोहम्मद यूसुफ ने इस क्रम पर 84 मैचों में दो शतक लगाए थे।

वर्ल्ड रिकॉर्ड के मामले में युवराज सिंह आगे

ODI क्रिकेट में नंबर-5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड इंग्लैंड के जोस बटलर और साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर के नाम संयुक्त रूप से दर्ज है। दोनों बल्लेबाजों ने आठ-आठ शतक लगाए हैं। भारत के महेंद्र सिंह धोनी और युवराज सिंह इस सूची में 7-7 शतकों के साथ मौजूद हैं। वहीं, ODI क्रिकेट में नंबर-5 पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है। उन्होंने भारत के लिए नंबर-5 पर खेलते हुए सात शतक लगाए थे।

हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए अफगान टीम का ऐलान, गुलबदीन नायब बने कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए अफगानिस्तान ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को टीम की कमान सौंपी गई है। अफगानिस्तान की टीम इस टूर्नामेंट में अपने आक्रामक खेल के दम पर विरोधियों को चुनौती देने उतरेगी।हांगकांग सिक्सेस 2026 का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में किया जाएगा। टूर्नामेंट में सात सदस्यीय अफगानिस्तानी टीम की अगुआई नायब करेंगे। टीम में फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जनत जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

अफगानिस्तान को ग्रुप-D में साउथ अफ्रीका और ओमान के साथ रखा गया है। टीम के पास इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के साथ आक्रामक अंदाज में खेलने वाले क्रिकेटर भी हैं। ऐसे में अफगानिस्तान की कोशिश होगी कि वह अपने तेजतर्रार खेल से टूर्नामेंट में मजबूत छाप छोड़े।

हांगकांग सिक्सेस का फॉर्मेट पारंपरिक क्रिकेट से काफी अलग है। इसमें मैदान पर एक टीम के 6 खिलाड़ी उतरते हैं और हर



पारी में 6 ओवर खेले जाते हैं। अफगानिस्तान की टीम अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और मैदान पर ऊर्जा के लिए जानी जाती है। गुलबदीन नायब की अगुआई में टीम इसी स्टाइल को हांगकांग में भी दिखाना चाहेगी। टूर्नामेंट में दुनिया भर की टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे मुकाबलों में रोमांच और प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद है। अफगानिस्तान से पहले भारत और पाकिस्तान समेत कई टीमें अपने स्क्वाड का ऐलान कर चुकी हैं।

भारत में होगा टूर्नामेंट का लाइव प्रसारण

क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और मार्केटिंग निदेशक अनुराग भटनागर ने अफगानिस्तान की टीम के ऐलान पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान ने लगातार खेल में जबरदस्त ऊर्जा और प्रतिस्पर्धी भावना दिखाई है और हमें हांगकांग सिक्सेस 2026 में उसकी टीम का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। अफगानिस्तान की आक्रामक शैली इस रोमांच को और बढ़ाएगी। हम टीम के स्वागत और फैंस को क्रिकेट का यादगार अनुभव देने के लिए उत्सुक हैं। बता दें, भारत में हांगकांग सिक्सेस 2026 के मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग फैन कोड पर उपलब्ध रहेगी।

हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए अफगानिस्तान की टीमः गुलबदीन नायब (कप्तान), फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे और सदीकुल्लाह पाचा।

102 साल बाद साउथ अफ्रीका ने टेस्ट क्रिकेट में बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट में आमतौर पर युवा खिलाड़ियों को मौका देने और भविष्य की टीम तैयार करने पर जोर दिया जाता है, लेकिन साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में उम्र को लेकर एक ऐसा रिकॉर्ड बना है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। साउथ अफ्रीका की प्लेइंग XI में 30 साल या उससे ज्यादा उम्र के 8 खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसा 102 साल बाद हुआ है, जब साउथ अफ्रीकी टीम इतने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ टेस्ट मैच खेलने उतरी है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने भी अपनी पूरी प्लेइंग XI में 30 साल या उससे अधिक उम्र के खिलाड़ियों को जगह दी है।

साउथ अफ्रीका की टीम में 30 साल से ज्यादा उम्र के 8 खिलाड़ी

साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 18 अक्टूबर को गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में शुरू हुआ। हालांकि, बारिश के कारण पहले दिन केवल 12.2 ओवर का खेल हो सका। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने शुरुआती दोनों विकेट लेकर मेजबान टीम को 20 रन पर दो झटके दे दिए।

डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में 214 रन से हारने वाली साउथ अफ्रीकी टीम ने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग XI में तीन बदलाव किए। 30 साल के मार्क्स एकरमैन को टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला, जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके और कगिसो रबाडा की भी टीम में वापसी हुई। एकरमैन और रबाडा के शामिल होने के बाद साउथ अफ्रीका की प्लेइंग XI में 30 साल या उससे ज्यादा उम्र के खिलाड़ियों की संख्या 8 हो गई। यह 1924 के बाद पहला मौका है, जब साउथ अफ्रीका की टीम इतने 30 पार के खिलाड़ियों के साथ टेस्ट मैच खेल रही है। यानी पूरे 102 साल बाद टीम में उम्रदराज खिलाड़ियों का ऐसा कॉम्बिनेशन देखने को मिला है।

शैफाली वर्मा ने ध्वस्त किया स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड

साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने एक बार फिर टीम इंडिया के लिए जबरदस्त पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। शैफाली ने अपनी ही नई कप्तान स्मृति मंधाना का एक कीर्तिमान तोड़ दिया है, जो उन्होंने अब से करीब दो साल पहले बनाया था। इतना ही नहीं, उन्होंने साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट को भी पीछे छोड़ने में कामयाबी हासिल की है। उनकी इस पारी की मदद से भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को दूसरे मुकाबले में हराकर सीरीज जीत ली है।

इस साल शैफाली वर्मा ने 9 बार खेली है 50 से अधिक रनों की पारी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम और जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम के बीच इस वक्त सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के दूसरे टी20 मुकाबले में शेफाली वर्मा ने धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 25 बॉल पर 55 रन ठोक दिए। इसमें छह चौके और चार छक्के शामिल रहे। शैफाली वर्मा का ये इस साल नौवां 50 प्लस का स्कोर है। अब वे एक साल में सबसे ज्यादा बार पचास से अधिक रन की पारी खेलने वाली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले साल 2024 में स्मृति मंधाना ने आठ बार 50 से अधिक रनों की पारी खेलने में सफलता हासिल की थी। अब शैफाली मंधाना से आगे निकल चुकी हैं। उनके पास मौका है कि वे ये काम दस बार करें, उसके लिए उन्हें एक और अर्धशतक की जरूरत है।

इस बीच शैफाली ने साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट को भी पीछे कर दिया है। एक साल में महिला टी20 इंटरनेशनल



में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज अभी तक लौरा वोल्वार्ड्ट थीं। उन्होंने इसी साल यानी 2026 में ही 824 रन बनाए थे, लेकिन अब शैफाली के इस साल 922 रन हो गए हैं। भारत की ही मंधाना इस साल अब तक महिला टी20 इंटरनेशनल में 821 रन बना चुकी हैं। यानी वे भी लौरा वोल्वार्ड्ट को पीछे कर सकती हैं।

भारत ने आठ विकेट से मैच जीतकर सीरीज भी अपने नाम की

इस सीरीज के दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 102 रन बनाए थे। भारत ने केवल 8.2 ओवर में ही केवल एक विकेट के नुकसान पर 104 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। शैफाली वर्मा के 55 रनों के अलावा कप्तान मंधाना ने भी 25 बॉल पर 47 रन बनाए। सीरीज का पहला मैच भी टीम इंडिया ने जीता था और इस जीत के साथ ही भारत ने सीरीज भी अपने नाम कर ली है। इस साल भारत ने 26 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 17 में जीत दर्ज की है।

व्यापार

शेयर बाजार में फिर दबाव, सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा टूटा

मुंबई (एजेंसी)। हफ्ते के पहले दिन भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर सुस्ती और दबाव देखने को मिला। बिकवाली के चलते दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में खुले। बीएसई सेंसेक्स में 300 अंकों से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी भी 23,100 का स्तर बनाए रखने में नाकाम रहा और 23,050 के करीब आ गया। बाजार पर चौतरफा मुनाफावसूली का असर दिखा, हालांकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, एलएंडटी और टीसीएस जैसे हैवीवेट शेयरों ने बाजार को और भारी गिरावट से बचाने में अहम भूमिका निभाई।

सेंसेक्स-निफ्टी का क्या रहा हाल?

कारोबारी सत्र की शुरुआत में सेंसेक्स 304.13 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,425.14 पर ट्रेड कर रहा था। वहीं,



निफ्टी 91.70 अंक या 0.40 प्रतिशत टूटकर 23,054.45 के स्तर पर आ गया। बाजार का ओवरऑल रुझान सुस्त रहा। कुल 1,168 शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि 1,394 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई और 225 शेयर बिना किसी बदलाव के साथ खुले।

PSU बैंक और फार्मा में रही चमक

बाजार में सुस्ती के बावजूद कुछ सेक्टर्स में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी पीएसयू बैंक में सबसे ज्यादा 2.13% की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी फार्मा (+0.83%), निफ्टी इंफ्रा (+0.61%), निफ्टी रियल्टी (+0.54%), निफ्टी पीएसई (+0.36%) और निफ्टी एनर्जी (+0.25%) भी हरे निशान पर ट्रेड कर रहे हैं। दूसरी ओर, निफ्टी आईटी (-0.44%), निफ्टी बैंक (-0.27%), निफ्टी एफएमसीजी (-0.19%) और निफ्टी फिन सर्विस (-0.47%) में बिकवाली का असर दिख रहा है।

कौन से शेयर चढ़े और किनमें हुई बिकवाली?

टॉप गेनर स्टॉक्सः स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBIN) +1.18% की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स में रहा। इसके साथ ही अदानी पोर्ट्स (+0.69%), अल्ट्राटेक सीमेंट (+0.44%), एलएंडटी (L&T), रिलायंस इंडस्ट्रीज (+0.06%), भारती एयरटेल (+0.13%), एचसीएल टेक (+0.15%) और टीसीएस (+0.01%) के शेयर हरे निशान में ट्रेड कर रहे हैं।

टॉप लूजर स्टॉक्सः एक्सिस बैंक (-4.67%), एचडीएफसी बैंक (-2.07%) और इंफोसिस (-1.99%) में बड़ी गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, श्रीराम फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL), टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, टाटा स्टील (-0.91%), बजाज फिनसर्व (-1.42%) और ट्रेंट (-1.27%) में भी बिकवाली का दबाव रहा।

मंगलवार को शेयर बाजार में नहीं कर सकेंगे ट्रेडिंग, 20 अक्टूबर को बंद रहेंगे BSE-NSE



मुंबई (एजेंसी)। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए जरूरी खबर है। अगर आप मंगलवार यानी 20 अक्टूबर को शेयरों की खरीद-बिक्री करने की प्लानिंग बना रहे हैं, तो आपको एक दिन इंतजार करना होगा। दशहरा यानी विजयादशमी के मौके पर घरेलू शेयर बाजार बंद रहेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में मंगलवार को कारोबार नहीं होगा। ऐसे में निवेशकों को ट्रेडिंग की योजना बनाने से पहले छुट्टी का शेड्यूल जरूर देख लेना चाहिए।

एक्सचेंजों के 2026 के हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक, दशहरा के अवसर पर मंगलवार को शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी। इस दौरान इक्विटी, डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (SLB) सेगमेंट में कारोबार और सेटलमेंट बंद रहेंगे। इस महीने शेयर बाजार की यह दूसरी छुट्टी है। इससे पहले 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर भी BSE और NSE में कारोबार बंद रहा था।

बुधवार से फिर शुरू होगी ट्रेडिंग

दशहरा की छुट्टी के बाद बुधवार यानी 21 अक्टूबर को शेयर बाजार दोबारा खुलेगा। सामान्य कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में ट्रेडिंग सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक होती है। यानी मंगलवार को निवेशकों को शेयरों की नियमित खरीद-बिक्री का मौका नहीं मिलेगा, जबकि बुधवार से सामान्य कारोबार शुरू होने की उम्मीद है।

MCX और NCDEX का क्या रहेगा हाल?

कमोडिटी बाजार में कारोबार करने वालों के लिए भी जरूरी अपडेट है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) में 20 अक्टूबर को सुबह के सत्र में कारोबार बंद रहेगा, लेकिन शाम के सत्र में ट्रेडिंग शुरू होने का कार्यक्रम है। वहीं, नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (NCDEX) में दशहरा के दिन दोनों सत्रों में कारोबार बंद रहेगा। कमोडिटी ट्रेडर्स को संबंधित एक्सचेंज की आधिकारिक सूचना देखकर अपने सौदों की योजना बनानी चाहिए।

2026 में कब-कब बंद रहेगा शेयर बाजार?

दशहरा के बाद साल 2026 में शेयर बाजार की तीन और निर्धारित छुट्टियां बाकी हैं। इनमें 10 नवंबर को दिवाली-बलीप्रतिपदा, 24 नवंबर को प्रकाश गुरुपर्व श्री गुरु नानक देव और 25 दिसंबर को क्रिसमस शामिल हैं। इस साल दिवाली लक्ष्मी पूजन 8 नवंबर, रविवार को पड़ रहा है। इस मौके पर NSE और BSE में पारंपरिक मुहूर्त ट्रेडिंग आयोजित किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, इसके समय की आधिकारिक घोषणा बाद में की जाएगी। निवेशकों को अंतिम जानकारी के लिए एक्सचेंजों के नोटिस पर नजर रखनी चाहिए।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जल्द लग सकती है मुहर, मार्को रुबियो ने कहा- बातचीत अंतिम चरण में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय आर्थिक और रणनीतिक संबंधों में जल्द एक बड़ा मोड़ आ सकता है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो (Marco Rubio) ने संकेत दिए हैं कि भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। इसके साथ ही, वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थिरता और भारत द्वारा रूसी तेल व गैस की खरीद पर अमेरिकी विदेश मंत्री ने व्यावहारिक रुख अपनाते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और भौगोलिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की प्रगति पर बात करते हुए कहा कि हम इस समय भारत के साथ एक ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं और हम ऐसा करने के बहुत करीब हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह संभावित समझौता दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, निर्यात-आयात की बाधाओं को कम करने और सप्लाई चेन को अधिक लचीला बनाने में अहम भूमिका



निभाएगा।

रूसी तेल पर प्रतिबंधों में छूट और वैश्विक ऊर्जा संकट

रूसी क्रूड ऑयल और गैस पर लगाए गए प्रतिबंधों और उनमें दी गई छूट को लेकर मार्को रुबियो ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर पड़ने वाले असर को देखते हुए अमेरिका को पिछले कुछ महीनों में कुछ प्रतिबंधों में ढील देनी पड़ी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जब राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में प्रतिबंधों से छूट देने का फैसला लेते हैं, तो कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार किया जाता है। इनमें भारत के साथ चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ता और ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। रुबियो के मुताबिक, हर देश की परिस्थितियां और ऊर्जा जरूरतें अलग-अलग होती हैं, इसलिए विदेश नीति से जुड़े फैसले लेते समय इन सभी कारकों के बीच संतुलन बनाना जरूरी है।

विदेश नीति और ऊर्जा सुरक्षा पर बात करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि हर देश की अपनी भौगोलिक और आर्थिक परिस्थितियां होती हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने माना कि कई देशों के लिए वैकल्पिक स्रोतों से ऊर्जा हासिल करना आसान नहीं है और वे रातों-रात अपनी ऊर्जा आपूर्ति का पूरा ढांचा नहीं बदल सकते। ऐसे में विदेश नीति से जुड़े फैसले लेते समय वैश्विक बाजार में ऊर्जा की आपूर्ति, कीमतों की स्थिरता और क्षेत्रीय परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। रुबियो के बयान से संकेत मिलता है कि अमेरिका भारत के साथ ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है, जबकि रूसी तेल और ऊर्जा जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर भी व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत को स्वीकार कर रहा है।

टाटा ट्रस्ट ने दान किए 1556.31 करोड़ रुपये, अब देशभर में 40-50 अस्पताल बनाने की योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ट्रस्ट ने बीते वित्त वर्ष (2025-26) में परोपकार से जुड़े अलग-अलग कामों के लिए 1556.31 करोड़ रुपये का दान दिया। अब टाटा ट्रस्ट देश में 40 से 50 गैर-लाभकारी सामान्य अस्पताल का बड़ा नेटवर्क बनाने की दिशा में काम कर रहा है। टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने ट्रस्ट की 2025-26 की सालाना रिपोर्ट में ये बात कही है। रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रस्तावित अस्पतालों में इलाज का खर्च उठाने में सक्षम मरीजों से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के इलाज में मदद के लिए किया जाएगा। हालांकि, रिपोर्ट में अस्पताल बनाने में होने वाले कुल खर्च, उनके संभावित स्थान और निर्माण की समयसीमा के बारे में नहीं बताया गया है। नोएल टाटा ने कहा है कि ट्रस्ट का उद्देश्य ऐसे संस्थानों और कार्यप्रणालियों का निर्माण करना है, जो लंबे समय तक समाज की संपत्ति बने रहें। उन्होंने कहा कि किसी चैरिटेबल संस्था के काम का आकलन सिर्फ इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि उसने कितने लोगों तक पहुंच बनाई या कितना पैसा खर्च किया, बल्कि ये भी देखा जाना चाहिए कि उसकी कोशिशों से लोगों के जीवन में क्या बदलाव आया।

जल संरक्षण से बदलेगी दर्री की तस्वीर, 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल सहेजने की अनूठी पहल

मरवाही के डोंगरी टोला में निर्मित 3 हजार कंटूर ट्रेंच बनेंगे जल संरक्षण का मजबूत आधार, 250 परिवारों को मिलेगी राहत

रायपुर ■ दैनन्दिनी



जल ही जीवन है और जल संरक्षण ही सुरक्षित भविष्य का आधार है। इसी भावना को साकार करते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में वर्षा जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के मरवाही विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में लगभग 3 हजार स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण कर 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल संग्रहण की क्षमता विकसित की गई है। यह पहल न केवल वर्षा जल को संरक्षित कर भूजल स्तर बढ़ाने में सहायक बनेगी, बल्कि गर्मी के दिनों में पानी की समस्या से जूझने वाले लगभग 250 ग्रामीण परिवारों के लिए भी भविष्य में राहत की नई उम्मीद लेकर आई है।

पहाड़ियों से बहने वाला पानी अब बनेगा जल संरक्षण का आधार

पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में वर्षा के दौरान बड़ी मात्रा में पानी बहकर निकल जाता है। इससे एक ओर वर्षा जल का समुचित उपयोग नहीं हो पाता, वहीं दूसरी ओर मिट्टी का कटाव और भूजल स्तर में गिरावट जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में वैज्ञानिक पद्धति से स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया गया है। पहाड़ी ढलानों पर सीढ़ीनुमा क्रम में बनाई गई ये ट्रेंच वर्षा के पानी के बहाव को धीमा करने और उसे एकत्रित करने का कार्य करेंगी। ट्रेंच में संग्रहित पानी धीरे-धीरे जमीन में समाहित होगा, जिससे भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। इस व्यवस्था से वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के साथ प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

24 लाख 30 हजार लीटर जल संग्रहण क्षमता से मजबूत होगी जल सुरक्षा

डोंगरी टोला में निर्मित लगभग 3 हजार कंटूर ट्रेंच की कुल जल संग्रहण क्षमता 24 लाख 30 हजार लीटर है। यह क्षमता क्षेत्र में वर्षा जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्षा के दौरान इन संरचनाओं में पानी एकत्रित होने से आसपास की भूमि में नमी बनाए रखने, मिट्टी के कटाव को कम करने तथा भूजल पुनर्भरण में सहायता मिलेगी। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में जल संकट का सामना करने वाले लगभग 250 परिवारों के लिए यह पहल दीर्घकालीन जल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भूजल स्तर में सुधार होने से आसपास के कुओं और अन्य पारंपरिक जलस्रोतों को भी लाभ मिलने की संभावना है।

जल संरक्षण के साथ ग्रामीणों को रोजगार, 3166 मानव दिवस का सृजन

इस पहल की विशेषता यह है कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण के साथ स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित किए गए हैं। कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य में प्रतिदिन लगभग 150 से 160 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक निर्माण कार्य के माध्यम से कुल 3166 मानव दिवस रोजगार का सृजन हो चुका है।

स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से ग्रामीण परिवारों को आजीविका का सहारा मिला है। इस प्रकार जल संरक्षण का यह कार्य प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में भी उपयोगी साबित हो रहा है।

भूजल पुनर्भरण से बढ़ेगी हरियाली, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा प्रोत्साहन

स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच निर्माण से वर्षा जल के संरक्षण के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलने की उम्मीद है। वर्षा जल के जमीन में समाहित होने से मिट्टी में नमी बढ़ेगी, जिससे आसपास के पेड़-पौधों और वनस्पतियों के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां निर्मित होंगी।

इसके साथ ही तेज वर्षा के दौरान पानी के बहाव को नियंत्रित करने से मिट्टी के कटाव में कमी आएगी। भूमि में नमी बनाए रखने से कृषि एवं अन्य स्थानीय आवश्यकताओं के लिए जल उपलब्धता में भी सुधार की संभावना है।

मतदाता पंजीयन अभियान को मिली गति अंदरूनी गांवों तक पहुंच रहा निर्वाचन अमला



सुकमा (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी बनाने के उद्देश्य से विशेष मतदाता पंजीयन अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। जिला निर्वाचन कार्यालय के मार्गदर्शन में निर्वाचन अमला अंदरूनी एवं दूरस्थ गांवों तक पहुंचकर उन पात्र नागरिकों की पहचान कर रहा है, जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है। बूथ लेवल अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर नागरिकों को जागरूक करने के साथ फॉर्म-6 के माध्यम से नए पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कराने में जुटे हैं। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच भी प्रशासन की सक्रियता और मैदानी अमले की तत्परता का उद्देश्य स्पष्ट है-कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। अभियान के दौरान BLO App एवं ECINET जैसे डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर आवेदन एवं संबंधित जानकारियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप दर्ज किया जा रहा है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा सके नागरिकों के मामलों में पात्रता के आधार पर पुनः सत्यापन की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। पात्र पाए जाने वाले नागरिकों को नियमानुसार आवेदन कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान को व्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाने के लिए बीएलओ को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है, वहीं संबंधित तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मैदानी कार्यों की नियमित निगरानी और प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। दूसरी ओर,SVEEP कार्यक्रम के तहत जिले के हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में निर्वाचक साक्षरता क्लब (ELC) के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को लोकतंत्र, मतदान के महत्व तथा मतदाता पंजीयन की जानकारी दी जा रही है। 17 वर्ष या उससे अधिक आयु के युवाओं को अग्रिम आवेदन की सुविधा के प्रति जागरूक कर भविष्य के मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में भी पहल की जा रही है।

जिला निर्वाचन कार्यालय की पात्र नागरिकों से अपील है कि जिनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पंजीयन के लिए आवेदन करें। नागरिक अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं अथवा निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल https://voters.eci.gov.in पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मतदाता पंजीयन एवं निर्वाचन संबंधी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर '1950' पर भी संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन का यह अभियान मतदाता सूची में पात्र नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने, निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं समावेशी बनाने और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जिला निर्वाचन कार्यालय ने सभी पात्र नागरिकों से अभियान का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने तथा लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की है।

जिला पंचायत में लेखापाल पद पर संविदा नियुक्ति के लिए आवेदन

उत्तर बस्तर कांकेर। विकसित भारत रोजगार आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिला पंचायत कांकेर द्वारा लेखापाल (संविदा) के स्वीकृत 04 रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों से 01 नवंबर 2026 को रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन पंजीयन के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं। ऑनलाईन आवेदन की लिंक https://zpkanker.indicompute.com/ है, जिसे कांकेर जिले की वेबसाइट www.kanker.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात आवेदन नहीं किये जा सकेंगे।

तीरंदाजी में महासमुंद के खिलाड़ियों का परचम राज्य चैंपियनशिप में जीते चार पदक

महासमुंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन एवं बिलासपुर तीरंदाजी संघ के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी, कोटा बिलासपुर में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय सीनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप में महासमुंद जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए। जिला तीरंदाजी संघ महासमुंद एवं खेलो इंडिया तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों ने इंडियन राउंड, रिकर्व राउंड और कंपाउंड राउंड में दमदार प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया।



प्रतियोगिता के बालक वर्ग के इंडियन राउंड में बागबाहरा के कमलेश साहू ने 338 अंक हासिल कर सर्वाधिक स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं बालिका इंडियन राउंड में बागबाहरा की चांदनी साहू, पिता टेकचंद साहू, ने 311 अंक अर्जित कर रजत पदक अपने नाम किया। इसी तरह कंपाउंड राउंड में बागबाहरा की पद्मा साहू ने 343 अंक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक जीता। रिकर्व राउंड में बागबाहरा की ही चांदनी साहू, पिता बलदेव साहू, ने 322 अंक अर्जित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस तरह महासमुंद जिले के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में कुल चार पदक, जिनमें तीन स्वर्ण और एक रजत शामिल है, जीतकर अपनी प्रतिभा का दमदार प्रदर्शन किया।

पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की सफलता के पीछे बाल आश्रम बिहाझर, बागबाहरा में नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ी लगातार सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए पदक हासिल कर रहे हैं। कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी जिले और प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बाल आश्रम बिहाझर, बागबाहरा से चांदनी साहू, जया साहू, पद्मा साहू, जया पहटिया, वैशाली साहू, त्रिशा प्रजापति, चांदनी साहू, नवलीन कौर, पीरित राम साहू, कमलेश साहू, ओमप्रकाश ध्रुव, अमर सबर, प्रियांशु साहू, गजेंद्र निषाद और टुकेश साहू ने भागीदारी की।

वहीं खेलो इंडिया आर्चरी ट्रेनिंग सेंटर, खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद से डोमेश्वरी साहू, जयंत ठाकुर और उमेश बरिहा ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। टीम के साथ प्रशिक्षक एवन कुमार साहू एवं ऋषभ तथा मैनेजर डॉ. पूर्णेंद्र चंद्राकर शामिल रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जिले के 5 हजार 471 हितग्राहियों को हो रही है बिजली की बचत

महासमुंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में जनकल्याण और आत्मनिर्भरता को हमेशा प्राथमिकता मिली है। इसी सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। योजना के माध्यम से घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर परिवार अपनी बिजली की जरूरतें और बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा दे रहे हैं।



पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 5 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप सिस्टम पर केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपए तथा राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

इससे सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का खर्च कम हो रहा है और आम परिवारों को दीर्घकालिक आर्थिक राहत मिल रही है। महासमुंद जिले में अब तक 9 हजार 683 नागरिकों ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया है, जिनमें से 5 हजार 471 हितग्राही योजना से लाभान्वित हो चुके हैं।

महासमुंद निवासी श्री दिनेश साहू ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के माध्यम से उन्हें नियमित और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद उनके बिजली बिल में काफी कमी आई है, जिससे परिवार की आर्थिक बचत बढ़ी है।

माता के जसगीतों के साथ जंवारा विसर्जन किया गया, दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगी भीड़



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। नवरात्रि का पर्व का अंतिम दिवस नवमी में मंदिरो में श्रद्धालुओं के द्वारा मनोकामना ज्योति कलश एवं ज्वारा का स्थापना किया गया जिसका नवरात्रि के नवें दिन नवमी में जसगीत के साथ ज्वारा का विसर्जन किया गया इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहूँचे। नगर के मनियारी नदी तट में माता के ज्वारा का विसर्जन किया गया।

माता का आराधना का पर्व नवरात्रि के अंतिम दिवस में नगर के मंदिर में श्रद्धालुओ के द्वारा मनोकामना ज्योति कलश एवं ज्वारा प्रज्जवलित किया गया था महाष्टमी के दूसरे दिन प्रज्वलित ज्वारा का विधि विधान के साथ विसर्जन किया जाता है।

नगर के कंकालिन मंदिर व माँ माहामाया मंदिर से ज्वारा निकाला गया। मॉ कंकालिन मंदिर का ज्वारा विसर्जन सुबह 11 बजे व शाम 7 बजे माँ महामाया देवी मंदिर प्रांगण से निकला माता की जयकारों के साथ ज्वॉरा के साथ जसगीत के द्वारा माता का गीत का भजन करते ज्वॉरा विर्सजन किया गया। इस दौरान नगर के श्रद्धालुगण ज्वॉरा के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में मॉ कंकालिन मंदिर व माहामाया मंदिर से लेकर मनियारी धाट तक भीड लगी रही सभी नगरवासीयों के द्वारा पूजा अर्चना कर माता को विदाई दी गयी। मॉ काली मंदिर व माहामाया मंदिर प्रांगण से निकल कर ब्राह्मण पारा, राजाबाड़ा, फौव्वारा चौक होते हुये शीतला पारा से मनियारी घाट में ज्वॉरा का विसर्जन किया गया, ज्वॉरा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओ के द्वारा जगह-जगह पानी एवं शरबत की व्यवस्था किया गया।

कांपा में जी राम जी योजना की नाली निर्माण पर उठे गंभीर सवाल!

नागरिक सूचना पटल गायब, गुणवत्ता और प्राक्कलन अनुसार नहीं हो रहा काम

सरकारी निर्माण में पारदर्शिता पर सवालिया निशान, आखिर कितने लागत से बन रही नाली?

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सरकारी योजनाओं के तहत होने वाले निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दावों के बीच कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत बोड़ला अंतर्गत ग्राम पंचायत कांपा में जी राम जी योजना के तहत आर सी सी पक्की नाली निर्माण कार्य सवालों के घेरे में है। निर्माण स्थल पर नागरिक सूचना पटल नहीं होने और निर्माण कार्य प्राक्कलन के अनुसार नहीं होने की आशंका को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

सूचना पटल गायब, फिर जनता को जानकारी कैसे मिले?

निर्माण स्थल पर नागरिक सूचना पटल नहीं लगाए जाने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि जब नाली निर्माण स्थल पर योजना का नाम, स्वीकृत लागत और कार्य से संबंधित आवश्यक जानकारी ही प्रदर्शित नहीं है, तो आम जनता को कैसे पता चले कि आखिर किस योजना से और कितनी राशि खर्च कर निर्माण कराया जा रहा है?

सवाल यह भी है कि सार्वजनिक निर्माण कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है? यदि निर्माण कार्य की जानकारी ही आम नागरिकों को उपलब्ध नहीं होगी, तो वे गुणवत्ता और खर्च की निगरानी कैसे करेंगे? सूचना पटल का अभाव निश्चित रूप से जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े करता है, जिसकी जांच आवश्यक है।



प्राक्कलन के अनुसार निर्माण हुआ या सिर्फ औपचारिकता?

ग्रामीणों ने आरसीसी पक्की नाली निर्माण की गुणवत्ता और स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप काम नहीं होने की आशंका जताई है। ऐसे में जरूरी है कि संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर निर्माण की तकनीकी जांच करें और स्वीकृत प्राक्कलन, निर्धारित मापदंडों तथा वास्तविक निर्माण कार्य का बारीकी से मिलान करें।

सवाल सीधा है—यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हो रहा है, तो उसकी निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने में परेशानी क्या है? जांच से ही स्पष्ट होगा कि निर्माण में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है या नहीं। केवल कागजी रिपोर्ट के आधार पर मामले को समाप्त करने के बजाय मौके की वास्तविक स्थिति सामने लाना जरूरी है।

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्राक्कलन के अनुरूप काम नहीं होने की शिकायत की है।

ग्रामीणों की मांग है कि शिकायत की निष्पक्ष जांच शिकायतकर्ता के समक्ष कराई जाए, ताकि निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। जांच के दौरान तकनीकी अधिकारियों द्वारा नाली की गुणवत्ता, निर्माण की निर्धारित माप, सामग्री के उपयोग और स्वीकृत प्राक्कलन का सत्यापन किया जाए। यदि जांच में गड़बड़ी प्रमाणित होती है, तो जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल

सरकारी राशि से होने वाले निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखना संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि निर्माण कार्य की निगरानी किस अधिकारी द्वारा की जा रही है, नागरिक सूचना पटल क्यों नहीं लगाया गया और ग्रामीणों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब कौन देगा?

फिलहाल ग्रामीणों के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और विभागीय पक्ष सामने आना बाकी है। इसलिए संबंधित अधिकारियों को चाहिए कि वे मामले की जांच कर तथ्य सार्वजनिक करें और शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी ग्रामीणों को उपलब्ध कराएं।

अब जवाबदेही तय होनी चाहिए

कांपा की नाली निर्माण का मामला केवल एक निर्माण कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता, तकनीकी गुणवत्ता और जनभागीदारी का सवाल भी है। ग्रामीणों ने शिकायत कर जांच की मांग उठाई है। अब संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है कि वह मामले को गंभीरता से ले, निष्पक्ष जांच कराए और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करे।

सबसे बड़ा सवाल यही है—जब जनता के बीच निर्माण कार्य हो रहा है, तो जनता को उसकी लागत और तकनीकी जानकारी से दूर क्यों रखा जा रहा है? क्या संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट करेंगे, या शिकायत के निस्तारण के लिए केवल कागजी कार्रवाई ही पर्याप्त मानी जाएगी?

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में जशपुर में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, किसानों को मिलेगी बड़ी सौगात

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, जल संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री साय के गृह जिले जशपुर के कांसाबेल क्षेत्र में 5 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र की लगभग 150 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। इससे किसानों की वर्षा जल पर निर्भरता कम करने, कृषि उत्पादन बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे का निर्माण क्षेत्र में उपलब्ध जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और सिंचाई क्षमता के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस परियोजना के माध्यम से वर्षा जल का संचयन कर उसका कृषि कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा। इससे किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और खेती-किसानी से जुड़ी कठिनाइयों को कम करने में सहायता मिलेगी। एनीकट के साथ काजवे का निर्माण होने से स्थानीय आवागमन की सुविधा में भी सुधार होने की उम्मीद है।

150 हेक्टेयर कृषि भूमि को मिलेगी सिंचाई सुविधा, किसानों की वर्षा पर निर्भरता होगी कम

महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे के निर्माण से कांसाबेल क्षेत्र की लगभग 150 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। सिंचाई के लिए

कांसाबेल क्षेत्र में 5.45 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे



पानी की उपलब्धता बढ़ने से किसानों को फसलों की समय पर सिंचाई करने में सहूलियत होगी। विशेष रूप से वर्षा आधारित खेती करने वाले किसानों के लिए यह परियोजना उपयोगी साबित होगी।

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से किसानों को परंपरागत फसलों के साथ अन्य लाभकारी फसलों की खेती अपनाने के अवसर भी मिल सकेंगे। इससे फसल विविधीकरण, कृषि उत्पादकता में वृद्धि और किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं को बल मिलेगा। साथ ही छोटे और सीमांत किसानों को भी उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलेगी।

जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को मिलेगा बढ़ावा

महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे का निर्माण जल संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। वर्षा ऋतु में बहकर निकल जाने वाले पानी को रोककर उसका संचयन किया जा सकेगा। इससे आसपास के क्षेत्रों में भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलने और जल स्तर में सुधार होने की संभावना है। जल संग्रहण की बेहतर व्यवस्था से कृषि कार्यों के साथ ग्रामीणों की अन्य जल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहायता मिलेगी। एनीकट निर्माण से स्थानीय जल संसाधनों के संरक्षण और उनके समुचित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं काजवे की सुविधा से क्षेत्र में आवागमन को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलेगी। इस प्रकार यह परियोजना सिंचाई के साथ-साथ जल संरक्षण और ग्रामीण अधोसंरचना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

निर्धारित समय-सीमा में निर्माण पूर्ण करने कार्यों में तेजी

विभागीय जानकारी के अनुसार, महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के उद्देश्य से तेजी से कराया जा रहा है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ में फार्मेसी की हजारों सीटें खाली, 30 अक्टूबर तक प्रवेश का मौका

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कभी जिस कोर्स के लिए हजारों-लाखों आवेदन आते थे, आज उसी कोर्स की सीटें खाली पड़ी हैं. छत्तीसगढ़ में फार्मेसी शिक्षा का हाल देखकर शिक्षा जगत में चिंता बढ़ गई है. बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी.फार्म) में कुल 4000 सीटें हैं, जिनमें से 2200 सीटें खाली हैं. डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी.फार्म) में कुल 8000 सीटें हैं, जिनमें से करीब 3800 सीटें अभी भी खाली पड़ी हैं. खाली सीटों को देखते हुए संस्थागत चरण (इंस्टीट्यूशनल राउंड) को मंजूरी दी गई है. प्रवेश की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तय की गई है.

फार्मेसी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने इस स्थिति पर गहरी चिंता जताई है. उन्होंने कहा, उच्च शिक्षा में लगातार विद्यार्थियों की संख्या कम होती जा रही है. आखिरकार ऐसे महत्वपूर्ण कोर्स में सीटें खाली हो रही हैं. कहीं न कहीं पढ़ाई के बाद नौकरी की उपलब्धता न होना और प्रवेश के नियम-कानून कठिन होना प्रमुख कारण हैं. सरकार को इस पर गंभीर मंथन करने की जरूरत है, ताकि युवा सही रास्ते पर रहें. बेरोजगार युवा खतरनाक हो सकते हैं, उन्हें रोकना मुश्किल होगा.

फार्मेसी केवल दवा बेचने का काम नहीं है. यह स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है. डॉक्टर दवा लिखते हैं, लेकिन सही दवा तैयार करना, उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना, साइड इफेक्ट्स की जानकारी देना और मरीज को सही सलाह देना फार्मासिस्ट का काम है. अस्पतालों, फार्मास्यूटिकल कंपनियों, रिसर्च लैब, ड्रग कंट्रोल विभाग, क्लिनिकल रिसर्च और यहां तक कि आयुष क्षेत्र में भी फार्मासिस्ट की भूमिका बढ़ती जा रही है. कोविड काल में दवाओं की आपूर्ति और वैक्सीन प्रबंधन में इनकी भूमिका सबके सामने आई थी.

जेनेरिक दवाओं का प्रसार, डिजिटल हेल्थ और फार्माकोविजिलेंस जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित फार्मासिस्ट की मांग सैद्धांतिक रूप से बनी हुई है. फिर भी मैदान में स्थिति अलग है. असली समस्या पढ़ाई पूरी होने के बाद शुरू होती है. सरकारी नौकरियों की संख्या बहुत कम है. ज्यादातर युवा प्राइवेट सेक्टर या खुद की मेडिकल स्टोर पर निर्भर रहते हैं. प्राइवेट फार्मेसी स्टोर पर शुरुआती वेतन अक्सर 8,000 से 15,000 रुपये प्रति माह तक सीमित रहता है. लंबे घंटे, दबाव और भविष्य की अनिश्चितता युवाओं को इस क्षेत्र से दूर कर रही है. कई कंपनियों में भी अनुभव की मांग और कम पैकेज युवाओं को निराश करते हैं. नतीजा कोर्स पूरा करने के बाद भी बेरोजगारी या दूसरे क्षेत्रों की ओर रुख

खाली सीटों का मतलब सिर्फ संख्या नहीं है. संस्थानों का आर्थिक नुकसान, शिक्षकों का भविष्य प्रभावित होना और सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है.



'लइका घर' से संवर रहा ग्रामीण बचपन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में बच्चों के स्वस्थ बचपन, समुचित पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को एक साथ जोड़ने की अनूठी पहल के रूप में 'लइका घर' तेजी से विकसित हो रहे हैं। बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और बाल-अनुकूल वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ उनके शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह योजना समाज के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला रख रही है।

प्रारंभिक अवस्था में ही बच्चों की जरूरतों पर ध्यान देकर कुपोषण की समस्या को दूर करने, उनकी सीखने की क्षमता विकसित करने और शिक्षा से निरंतर जोड़े रखने की दिशा में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें बचपन से लेकर विद्यालय तक की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई जाती हैं। नगरी विकासखंड के ग्राम सियादेही का मॉडल इसका बेहतरीन उदाहरण है, जहां सात माह से तीन वर्ष तक के बच्चों की देखभाल के लिए लइका घर, तीन से छह वर्ष के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी और उसके बाद प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा की सुविधा एक ही प्रांगण में संचालित हो रही है। इस एकीकृत व्यवस्था से बच्चों के विकास के विभिन्न चरणों में निरंतरता बनी रहती है। अभिभावकों को बच्चों की देखभाल और शिक्षा के लिए अलग-अलग स्थानों पर भटकना नहीं पड़ता, जिससे बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होती है और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि व आत्मविश्वास मजबूत होता है।

खेल-खेल में सर्वांगीण विकास पर जोर

लइका घरों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-खेल में सीखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यहां रंग-बिरंगे शैक्षणिक चित्रों, वर्णमाला, अंकों, फल-सब्जियों, पशु-पक्षियों और दैनिक जीवन से जुड़ी सामग्री के माध्यम से शिक्षा दी जाती है।

SSR-2027 का शेड्यूल जारी: 12 नवंबर को आएगी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (SSR-2027) की समय-सारणी निर्धारित की गई है। इसके तहत मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण 2 नवंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को होगा। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने अथवा अन्य दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक की अवधि निर्धारित की गई है। पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण अवश्य जांचें। यदि नाम दर्ज कराने, संशोधन कराने अथवा किसी अन्य प्रकार की दावा-आपत्ति की आवश्यकता हो, तो निर्धारित अवधि में आवेदन करें। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना आवश्यक है।

राष्ट्रीय एकता और नशामुक्त भारत का संदेश लेकर कबीरधाम पहुंची राष्ट्रीय बाइक रैली का भव्य स्वागत

रायपुर ■ दैनन्दिनी



राष्ट्रीय एकता दिवस-2026 के अवसर पर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'नशामुक्त भारत, सशक्त भारत' का संदेश लेकर निकली राष्ट्रीय बाइक रैली का कबीरधाम जिले में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तत्वावधान में 'फाइट अगेंस्ट ड्रग्स' थीम पर आयोजित इस रैली के अभिनंदन एवं फ्लैग ऑफ समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा शामिल हुए। उन्होंने पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, कवर्धा में आयोजित समारोह में ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस के बाइक राइडर्स का सम्मान किया तथा रैली को हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश के लिए रवाना किया।

सरदार पटेल के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा: उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनका योगदान देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय चेतना को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह बाइक रैली केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक की यात्रा नहीं, बल्कि देशवासियों को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में जोड़ने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अभियान है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय सेवाएं, जीएसटी, आधार, वन नेशन-वन राशन कार्ड और राष्ट्रीय पावर ग्रिड जैसी व्यवस्थाएं देश के विभिन्न हिस्सों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य कर रही हैं। लोकतंत्र में विचारों और राजनीतिक दलों के बीच मतभिन्नता हो सकती है, लेकिन देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सभी की प्रतिबद्धता सर्वोपरि है। उन्होंने युवाओं से सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

देश की सुरक्षा में बलिदान देने वाले वीर जवानों को किया नमन'

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बस्तर में नक्सलवाद के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों, पुलिस, प्रशासन और विभिन्न एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से क्षेत्र में शांति एवं विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्थायी शांति के साथ शिक्षा, रोजगार और विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर ही प्रभावित क्षेत्रों को प्रगति की मुख्यधारा से मजबूती से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने और देश की प्रगति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी राष्ट्रीय बाइक रैली

राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित यह देशव्यापी बाइक रैली 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में राष्ट्रीय एकता एवं नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने वाले अभियान का हिस्सा है। देशभर में इस अभियान को उत्तर, मध्य, दक्षिण और उत्तर-पूर्व के चार प्रमुख जोन में विभाजित किया गया है। विभिन्न राज्यों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और केंद्रीय पुलिस संगठनों की सहभागिता से आयोजित यह अभियान 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुजरात के एकता नगर में संपन्न होगा। मध्य जोन की रैली में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश शामिल हैं। ओडिशा के भुवनेश्वर से निकली रैली 16 अक्टूबर को महासमुंद होते हुए रायपुर पहुंची थी। रायपुर में स्वागत एवं सम्मान समारोह के बाद 18 अक्टूबर को बलौदाबाजार-भाटापारा और बेमेतरा होते हुए कबीरधाम पहुंची।

ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस के बाइक राइडर्स का किया अभिनंदन

समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ओडिशा पुलिस बाइक रैली दल के लीडर श्री समर सिंह एवं उनके साथी राइडर्स तथा छत्तीसगढ़ पुलिस बाइक रैली दल के लीडर श्री रविन्द्र गिरी एवं उनके साथियों का स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। उन्होंने राष्ट्रीय एकता और नशामुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाने के लिए बाइक राइडर्स के प्रयासों की सराहना की।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में कन्या पूजन और भोज: महिला मोर्चा ने किया आयोजन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर आज कन्या पूजन और भोज का आयोजन किया गया। महिला मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नौ कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें भोज कराया गया और आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कन्या पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

कर्मवीर सिंह ने कहा कि नवरात्रि शक्ति की उपासना का पर्व है और हमारी संस्कृति में कन्याओं को देवी स्वरूप माना गया है। कन्या पूजन हमारी सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी



वर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडे, डॉ. किरण बघेल, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री शीतल नायक, महापौर अंबिकापुर मंजूषा भगत, महिला आयोग अध्यक्ष ममता साहू, हेमलता चंद्राकर, मीरा पतकी संगीता शर्मा, पुष्पलता चौहान , मिली बैनर्जी, तिलेश्वरी धुरंधर, विद्या पांडेय, वंदना राठौड़, नीतू सिंह, प्रीति परगनिया, शीलू साहू, नीतू कोठारी सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

डामर फैक्ट्री में लगी आग



रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब टार फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जूट गई। दरअसल, उरला थाना इलाके में स्थित Porwal Tar Products फैक्ट्री में यह आग लगी है। फैक्ट्री में मजदूर काम कर रहे थे। इसी वक्त फैक्ट्री में आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जूट गई। आशंका जताई जा रही कि प्रोसेसिंग के समय टार लीक होने से यह आग लगी। फिलहाल जांच जारी है।

भलपहरी और अचानकपुर में ग्रामीणों के बीच पहुंचे विजय शर्मा, दी 48 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने नवरात्रि के पावन पर्व पर कबीरधाम जिले के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर माता दुर्गा की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने ग्राम भलपहरी और अचानकपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनसे सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं मांगों को आत्मीयता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम भलपहरी में अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन और शासकीय प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष का



लोकार्पण किया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्राम भलपहरी और अचानकपुर में कुल 48 लाख 30 हजार रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की। इसमें ग्राम भलपहरी में हाई स्कूल रोड पर सीसी रोड निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए, प्राथमिक शाला में किचन शेड निर्माण के लिए 4 लाख रुपए तथा अकालगरिहा पारा में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 6 लाख 50 हजार रुपए की घोषणा की गई। इसी प्रकार ग्राम अचानकपुर में मंच निर्माण के लिए 8 लाख रुपए, सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपए, सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख 20 हजार रुपए, मुख्य मार्ग से पंचराम के घर की ओर सीसी रोड निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए, मैदान समतलीकरण के लिए 2 लाख रुपए तथा गोठान समतलीकरण के लिए 2 लाख रुपए की घोषणा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम भलपहरी में 5 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन का लोकार्पण किया। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को गांव में ही बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण महतारी वंदन योजना, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि निकाल सकेंगे। साथ ही राशि जमा करने जैसी बैंकिंग सुविधाओं का भी लाभ ले सकेंगे। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे बैंकिंग कार्यों के लिए शहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी और उनके समय तथा आवागमन के खर्च की बचत होगी।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांवों के विकास और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बैगा बाहुल्य क्षेत्रों में सड़क, बिजली, आवास और अन्य जरूरी सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। दूरस्थ गांवों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाकर लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com